कार्तिक शुक्ल - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 102 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 07-11-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 डोनाल्ड ट्रंप की जीत से भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे : सिंधिया

6 बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

7 'एनिमल' के सीक्वल की तैयारी में हैं भूषण कुमार

डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

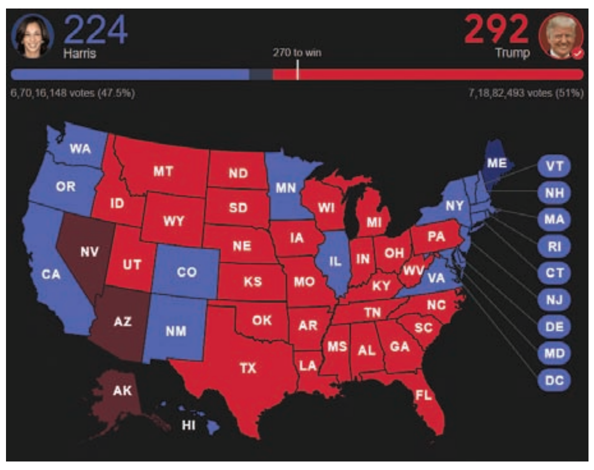

वाशिंगटन/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। उनकी जीत को अमेरिकी इतिहास में किसी नेता की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी करार दिया जा रहा है।

व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़े 34 आरोपों में दोषी करार दिए गए और एक पोर्न स्टार को मुंह बंद रखने के एवज में पैसे देने के मामले में फैसले का इंतजार कर रहे ट्रंप एक कड़े मुकाबले में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को मात देने में कामयाब रहे।

ट्रंप चार साल के अंतराल के बाद एक बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। वह 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में हार गए थे, जिसके बाद उनके समर्थकों ने अमेरिकी कैपिटल (संसद परिसर) में तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

'एसोसिएटेड प्रेस' की ओर से शाम सात बजे उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, ट्रंप और हैरिस को क्रमश: 224 और 292 निर्वाचक मंडल वोट हासिल हो चुके हैं।

ट्रंप (78) अमेरिकी इतिहास में देश के राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। उन्होंने विस्कोन्सिन में जीत के साथ राष्ट्रपति चुनाव में विजयी घोषित किए जाने के लिए जरूरी 270 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए।

फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में समर्थकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में अपनी जीत का ऐलान किया और जनादेश को अभूतपूर्व एवं शक्तिशाली करार दिया। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी हत्या की दो नाकाम कोशिशों का जिक्र करते हुए कहा, कई लोगों ने मुझसे कहा कि भगवान ने एक खास कारण से मेरी जान बख्शी है। उन्होंने कहा, यह अमेरिका के लिए वाकई स्वर्णिम युग होगा। यह शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने में मदद करेगी। ट्रंप ने कहा, यह अमेरिका के लोगों के लिए एक शानदार जीत है। यह एक ऐसा आंदोलन था, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा था, और सच कहूं तो मेरा मानना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन था। इस देश में, और शायद इसके बाहर भी कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा, और अब यह एक नये स्तर पर पहुंचने जा रहा है, क्योंकि हम उबरने में अपने देश की मदद करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में

प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऐतिहासिक' जीत पर डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति निर्वाचित होने और उनकी 'ऐतिहासिक' जीत पर बुधवार को उन्हें बधाई दी तथा वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं के क्रम में, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नए सिरे से आगे बढ़ाने की आशा करता हूं। उन्होंने कहा, आइए एक साथ मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। मोदी ने इस पोस्ट के साथ ट्रंप से मुलाकात की कुछ पुरानी तस्वीरें भी साझा की।

योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को बुधवार को मंजूरी दे दी, ताकि वित्तीय बाधाएं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में दाखिला लेने वाला कोई भी विद्यार्थी पाठ्यक्रम से संबंधित ट्यूशन शुल्क और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत या गारंटर के ऋण हासिल करने के लिए पात्र होगा।

इस योजना के लिए 3,600 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ) के आधार पर देश के शीर्ष 860 क्यूएचईआई में प्रवेश पाने वाले छात्रों को शिक्षा ऋण की सुविधा दी जाएगी। इसमें हर साल 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे।

वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मंत्रिमंडल ने मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है, ताकि वित्तीय बाधाएं भारत के किसी भी युवा को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोक सकें।

दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया गया

राहुल गांधी की नागरिकता के मुद्दे पर सीबीआई जांच शुरू की गई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय को बुधवार को यह जानकारी दी गई कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई की जा रही जनहित याचिका पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता की सीबीआई जांच शुरू की गई है।

याचिकाकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कनार्टक इकाई के कार्यकर्ता ने जब कहा कि उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की थी, मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि पीठ कोई विरोधाभासी आदेश पारित करना नहीं चाहती। पीठ ने कहा कि एक ही विषय पर दो समानांतर याचिकाएं नहीं हो सकतीं। साथ ही, एस विघ्नेश शिशिर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनकी जनहित याचिका के बाद संबद्ध घटनाक्रमों पर एक हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी।

ट्रंप की जीत से बिटकॉइन रिकॉर्ड ऊंचाई पर

लंदन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत क्रिप्टोकरेंसी के लिए वरदान साबित हुई और बिटकॉइन की कीमत बुधवार को नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। बिटकॉइन में शुरुआती कारोबार में करीब आठ प्रतिशत का उछाल आया और यह 75,000 डॉलर को पार कर गया। इस तरह इसने मार्च में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में भी उछाल आया और दुनिया की दूसरी सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी ईथर में आठ प्रतिशत की तेजी आई। ट्रंप पहले क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संशय में थे, लेकिन चुनाव से पहले उन्होंने अपना विचार बदलते हुए क्रिप्टोकरेंसी की तरफदारी की।

अनुच्छेद 370 पर प्रस्ताव वापस लिए जाने तक जम्मू-कश्मीर विधानसभा चलने नहीं देंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि वह सदन की कार्यवाही तब तक चलने नहीं देगी जब तक तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के निर्वाचित प्रतिनिधियों और केंद्र के बीच बातचीत करने संबंधी प्रस्ताव को वापस नहीं लिया जाता।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा, यह एक अवैध प्रस्ताव है और जब तक वे इसे वापस नहीं लेते, हम अपना विरोध जारी रखेंगे और सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। उन्हें इसे वापस लेना होगा और फिर हम इस पर बहस करेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव विधानसभा के सूचीबद्ध कामकाज का हिस्सा नहीं था और यह केंद्र शासित प्रदेश की नवनिर्वाचित सरकार की मानसिकता को दर्शाता है।

शर्मा ने कहा कि अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को लोकतंत्र के शीर्ष मंदिर संसद ने निरस्त किया है। इस अनुच्छेद में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने का प्रावधान था। उन्होंने कहा, फिर कुछ लोगों ने संसद के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। अदालत ने संसद के फैसले को सही करार दिया। तो उन्हें यह प्रस्ताव

लाने का क्या संवैधानिक अधिकार है? हमने इसका कड़ा विरोध किया है और भाजपा अपना विरोध जारी रखेगी तथा इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा नेता ने विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के एजेंट की तरह व्यवहार किया और आसन की गरिमा को 'तार-तार' किया। उन्होंने नेकां की सहयोगी कांग्रेस से भी प्रस्ताव पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा।

शर्मा ने कहा, कांग्रेस नेताओं को सामने आकर साफ-साफ बताना चाहिए कि वे इसका समर्थन करते हैं या नहीं। अगर वे इसका समर्थन करते हैं तो देश की जनता उनसे सवाल करेगी। अगर नहीं करते तो उनके छह विधायकों के बिना प्रस्ताव और सरकार दोनों अल्पमत में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया है कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा लेकिन ''हमें उचित समय का इंतजार करना होगा। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को रद्द कर दिया था। चौधरी द्वारा पेश प्रस्ताव में कहा गया, यह विधानसभा विशेष दर्जे और संवैधानिक गारंटी के महत्व की पुष्टि करती है, जिसने जम्मू और कश्मीर के लोगों की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा की तथा उसे एकतरफा तरीके से हटाए जाने पर चिंता व्यक्त करती है। प्रस्ताव में कहा, यह विधानसभा जोर देती है कि बहाली की किसी भी प्रक्रिया में राष्ट्रीय एकता और जम्मू-कश्मीर के लोगों की वैध आकांक्षाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित होने के बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया जिसके मद्देनजर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी।

सीबीआई ने 'डमी' विद्यालयों के खिलाफ की कार्रवाई, 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 'डमी' विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को 21 विद्यालयों की संबद्धता वापस ले ली और छह स्कूलों का उच्चतर माध्यमिक का दर्जा घटाकर माध्यमिक कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सितंबर में राजस्थान और दिल्ली के विद्यालयों में किए गए औचक निरीक्षण के बाद उठाया गया है, जिसमें कई खामियां पाई गई थीं।

सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है, तथा इससे छात्रों के आधारभूत विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए हम डमी विद्यालयों के प्रसार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं, तथा सभी संबद्ध संस्थानों को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वे डमी या बिना-उपस्थित प्रवेश स्वीकार करने के प्रलोभन का विरोध करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के संबंध में औचक निरीक्षण समितियों की महत्वपूर्ण टिप्पणियां संबंधित विद्यालयों को प्रेषित की गईं। गुप्ता ने कहा, विद्यालयों द्वारा प्रस्तुत जवाबों की बोर्ड द्वारा विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण निष्कर्षों और वीडियोग्राफी साक्ष्यों के आधार पर, 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द कर दी गई और छह विद्यालयों को उच्चतर माध्यमिक से माध्यमिक स्तर पर 'डाउनग्रेड' किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिन 21 विद्यालयों की संबद्धता रद्द की गई है, उनमें से 16 दिल्ली में हैं, जबकि पांच राजस्थान के कोचिंग केंद्र कोटा और सीकर में हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका के साथ व्यापार में चीन से बेहतर स्थिति में होगा भारत: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से भारत के लिए नए अवसर खुलेंगे, हालांकि आयात और एच1बी वीजा नियमों पर अंकुश लगाने का फैसला हुआ तो फार्मा और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे कुछ क्षेत्रों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दोस्ती का भारत-अमेरिका संबंधों पर सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, भारत को आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों को बदलना पड़ सकता है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा, ट्रंप का राष्ट्रपति बनना भारत के लिए एक नया अवसर हो सकता है। ट्रंप उन देशों पर शुल्क और आयात प्रतिबंध लगाएंगे, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे अमेरिका के अनुकूल नहीं हैं। इनमें चीन और यहां तक कुछ यूरोपीय देश शामिल हैं। अगर ऐसा हुआ तो इससे भारतीय निर्यात के लिए बाजार खुल सकते हैं। बार्कलेज ने बुधवार को एक शोध रिपोर्ट में कहा कि व्यापार नीति के लिहाज से ट्रंप एशिया के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं। बार्कलेज ने कहा, हमारा अनुमान है कि ट्रंप के शुल्क प्रस्ताव चीन के सकल घरेलू उत्पाद में दो प्रतिशत की कमी लाएंगे - और क्षेत्र की बाकी अधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डालेंगे। इसमें कहा गया कि भारत, इंडोनेशिया और फिलिपीन सहित ऐसी अर्थव्यवस्थाएं उच्च शुल्क के प्रति कम संवेदनशील होंगी, जो घरेलू बाजार पर अधिक निर्भर हैं। कुमार ने कहा कि ट्रंप भारत को एक मित्र देश के रूप में देखेंगे, और उनके रहते भारत में अमेरिकी कंपनियों के बड़े निवेश की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर ट्रंप की जीत भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही सकारात्मक घटना है। मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने कहा, मुझे संदेह है कि ट्रंप भारतीय उत्पादों पर शुल्क लगाएंगे, क्योंकि अमेरिका के लिए चिंता भारत को लेकर नहीं, बल्कि चीन के बारे में अधिक है। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के व्यापार संरक्षणवादी विचारों का भारत के निर्यात पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

ट्रंप के 'अमेरिका प्रथम' एजेंडा से भारतीय वाहन, कपड़ा, फार्मा सामान पर बढ़ सकता है शुल्क: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की संभावना के बीच यदि नया अमेरिकी प्रशासन 'अमेरिका प्रथम' एजेंडा को आगे बढ़ाने का फैसला करता है, तो भारतीय निर्यातकों को वाहन, कपड़ा और फार्मा जैसे सामान के लिए ऊंचे सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रंप एच-1बी वीजा नियमों को भी सख्त कर सकते हैं, जिससे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों की लागत और वृद्धि पर असर पड़ेगा।

भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आईटी निर्यात आय अमेरिका से आती है, जिससे वीजा नीतियों में बदलाव के प्रति भारत संवेदनशील हो जाता है। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। अमेरिका से भारत का वार्षिक कारोबार 190 अरब डॉलर से अधिक है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रंप चीन के बाद अब भारत और अन्य देशों पर भी शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने पहले भारत को 'बड़ा शुल्क दुरुपयोगकर्ता' कहा था और अक्टूबर, 2020 में भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया था। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों से पता चलता है कि ट्रंप का दूसरा कार्यकाल कठिन व्यापार वार्ता ला सकता है।

उत्तराखंड: पैठाणी में युवती का अश्लील वीडियो सार्वजनिक किए जाने के बाद सांप्रदायिक तनाव

पौड़ी/भाषा। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के पैठाणी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने एक युवती के कथित अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए जिसके बाद लड़की बदनामी के डर से घर से भाग गई। इस घटना से क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। पैठाणी में नाई की दुकान चलाने वाले शाहनवाज मिर्जा (24) की गिरफ्तारी के बावजूद स्थानीय व्यापारियों ने बुधवार को बाजार बंद रखे और दूसरे समुदाय की दुकानें नहीं खुलने दीं। पुलिस ने बताया कि तनाव को देखते हुए क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को थाना पैठाणी में एक स्थानीय व्यक्ति ने सूचना दी कि उसकी 21 वर्षीय साली बिना बताए घर से कहीं चली गई है और काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिल रही है।

पुलिस ने बताया कि शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुमशुदा युवती को कोटद्वार से बरामद किया जिसके बाद पूछताछ में युवती ने बताया कि उसके कुछ कथित अश्लील फोटो और वीडियो मिर्जा के फेसबुक अकाउंट से सोशल मीडिया पर डाले गए हैं जिसके बाद बदनामी के डर के कारण वह घर से भाग गई थी।

जीडीपी वृद्धि पर आंकड़े मिले-जुले, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक से अधिक : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

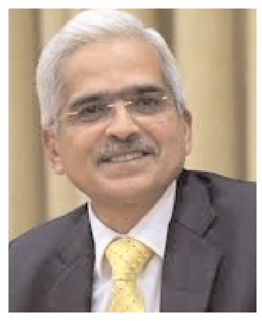

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बुधवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि पर आने वाले आंकड़े मिले-जुले हैं, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं।

दास ने 'बिजनेस स्टैंडर्ड' के वार्षिक बीएफएसआई कार्यक्रम में कहा कि अंतर्निहित आर्थिक गतिविधियां कुल मिलाकर मजबूत बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, जो आंकड़े आ रहे हैं, वे मिले-जुले हैं, लेकिन सकारात्मक पहलू नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं और कुल मिलाकर अंतर्निहित गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं।

गौरतलब है कि कई विश्लेषक वृद्धि के बारे में चिंता जता रहे हैं। ऐसा खासकर आधिकारिक आंकड़ों के आने के बाद हुआ, जब वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 15 तिमाहियों के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हालांकि 2024-25 के लिए 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के अपने अनुमान पर कायम है, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि यह सात प्रतिशत से कम रहेगी।

दास ने कहा कि आरबीआई अपने अनुमान पर पहुंचने के लिए 70 से अधिक उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों पर नजर रखता है।

दास ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन या आईआईपी के आंकड़े, और रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की शहरी मांग में नरमी है। इसके अलावा, सितंबर तिमाही में सब्सिडी खर्च में वृद्धि हुई है और इसका दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर असर पड़ेगा। उन्होंने सकारात्मक पहलुओं में जीएसटी ई-वे बिल, टोल संग्रह, हवाई यात्री यातायात और इस्पात तथा सीमेंट उद्योग के अच्छे प्रदर्शन का जिक्र किया।

इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार बढ़ाने की योजना बना रही हीरो मोटोकॉर्प

मिलान (इटली)/भाषा। दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश कर रही है और अगले कुछ महीनों में किफायती मॉडल पेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। दोपहिया वाहन बनाने वाली यह प्रमुख कंपनी यूरोप में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती है। कंपनी अगले साल ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली जैसे बाजारों में उतरना चाहती है।

हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निरंजन गुप्ता ने 'ईआईसीएमए' के मौके पर पीटीआई-भाषा से अलग से बातचीत में कहा, अगले छह महीनों में उत्पाद पोर्टफोलियो (ईवी खंड में) में बहुत सारी गतिविधियां होंगी। हम अधिक किफायती खंड में भी उत्पाद ('विडा' शृंखला के तहत) उतारेंगे। हीरो मोटोकॉर्प की विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर शृंखला की कीमत वर्तमान में भारत में सब्सिडी सहित 1-1.5 लाख रुपए के बीच है। कंपनी फिलहाल देश के 230 से अधिक शहरों और कस्बों में 400 से अधिक बिक्री टचपॉइंट के साथ विडा शृंखला बेचती है। गुप्ता ने बताया कि कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में अच्छा प्रदर्शन किया है और हाल ही में समाप्त हुए त्योहारी सत्र में 11,600 इकाइयां बेची हैं। दोपहिया वाहन बनाने वाली यह प्रमुख कंपनी वर्तमान में एशिया, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका के 48 देशों में उत्पाद बेचती है। गुप्ता ने कहा कि कंपनी इन बाजारों में किफायती कीमतों पर महत्वाकांक्षी उत्पाद पेश कर सकती है।

'सकारात्मक राजनीति' करें, परिवारों में मतभेद सामान्य बात: वाईएस विजयम्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी और आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला की मां वाईएस विजयम्मा ने कहा कि परिवारों के भीतर मतभेद होना सामान्य बात है। उन्होंने राजनीतिक विरोधियों से 'सकारात्मक राजनीति' करने का आग्रह किया।

संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की पत्नी विजयम्मा ने हाल ही में एक वीडियो संदेश जारी कर हालिया दिनों में अपने परिवार के बारे में कथित रूप से प्रसारित 'झूठी खबरों' पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हाल ही में फैलाई जा रही कुछ झूठी खबरों से मेरा दिल दुखता है। वे मेरे दो साल पुराने कार एक्सीडेंट को मेरे बेटे से जोड़ रहे हैं और एक निराधार कहानी गढ़ रहे हैं।

विजयम्मा की यह अपील परिवार के भीतर तनाव और संपत्ति के बंटवारे को लेकर जारी विवाद के बीच आई है। विजयम्मा ने दावा किया कि उनके पोते-पोतियों से मिलने के बारे में भी झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, यहां तक कि यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि शर्मिला उनकी बेटी नहीं हैं। उन्होंने कहा, क्या किसी व्यक्ति के चरित्र पर इस तरह से लांछन लगाना जरूरी

है? ऐसी बेतुकी कहानियां क्यों गढ़ी जा रही हैं? मुझे समझ नहीं आता कि उन्हें (विरोधियों को) कैसा महसूस होता है। विजयम्मा ने अपना, जगन और शर्मिला का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि पारिवारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के बीच के बुनियादी बंधनों को नहीं बदलते। उन्होंने कहा कि मतभेद एक बेटे को अपनी मां का बेटा या अपनी बहन का भाई बनने से नहीं रोकते।

राजशेखर रेड्डी और जगन मोहन रेड्डी जैसे दो मुख्यमंत्रियों वाले परिवार का हिस्सा विजयम्मा ने कहा कि उन्होंने अपने बच्चों को 'अच्छे संस्कार' के साथ पाला है। विजयम्मा ने सभी के कल्याण के लिए सभी से 'सकारात्मक राजनीति' करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग आंध्र प्रदेश में राजनीतिक माहौल को देख रहे हैं। विजयम्मा ने विरोधियों को चुनौती दी कि अगर वे उनके बेटे का विरोध करना चाहते हैं तो सीधे उनसे भिड़ें। उन्होंने साथ ही राजनीतिक विरोधियों से अपमानजनक टिप्पणी करने से बचने को कहा। विजयम्मा ने यह भी पुष्टि की कि हाल ही में उनके नाम से लिखे गए दो पत्र वास्तव में उनके द्वारा लिखे गए थे।

जाति जनगणना होकर रहेगी, 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की दीवार टूटेगी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति आधारित जनगणना की एक बार फिर वकालत करते हुए कहा कि देश में यह कवायद होकर रहेगी और इस प्रक्रिया से दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना का वास्तविक अर्थ न्याय है और उनकी पार्टी 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की 'दीवार को भी तोड़ेगी'।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरएसएस और सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और उन पर संविधान पर हमला करने और इस तरह 'देश की आवाज' दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जाति आधारित जनगणना सामान्य श्रेणी के लोगों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और अन्य को न्याय देगी। राहुल गांधी ने कहा, जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हर किसी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी ताकत है और उनकी भूमिका क्या है। गांधी ने कहा, हम 50% (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किया संविधान सिर्फ किताब नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, उसी तरह जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है। उन्होंने कहा, इससे स्पष्टता आएगी और नया प्रतिमान बनेगा। इसलिए भाजपा और आरएसएस इस बारे में चर्चा कर रहे हैं कि उन्हें क्या रुख अपनाना चाहिए तथा जाति जनगणना पर क्या कहना चाहिए। राहुल ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि आप कुछ भी कर लें, जाति जनगणना होकर रहेगी। इस पर जो भी चर्चा करनी है कर लें या मीडिया में जो भी चल रहा है, भारत की जनता ने तय कर लिया है कि जाति जनगणना होकर रहेगी और 50% की दीवार टूटेगी। और यह आवाज धीरे-धीरे बढ़ रही है। हमारा काम है कि हम लोगों को समझाएं कि जाति जनगणना से ही संविधान की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब भी मैं जाति जनगणना की बात करता हूं, मोदी जी कहते हैं कि राहुल गांधी देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें देश को बताना होगा कि हम देश के हाशिए पर पड़े 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को न्याय दिलाने के लिए लड़ रहे हैं।

यह कार्यक्रम नागपुर के रेशमबाग इलाके में सुरेश भट्ट हॉल में आयोजित किया गया, जो आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के स्मारक डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर से सटा हुआ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि संविधान समानता, एक व्यक्ति-एक वोट, सभी के लिए और हर धर्म, जाति, राज्य तथा भाषा के लिए सम्मान की बात करता है। उन्होंने कहा, लेकिन जब आरएसएस और भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते हैं तो वे केवल इस पुस्तक पर हमला नहीं करते, बल्कि वे देश की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं।

पंजाब: एक किलो 'आइस' और एक किलो हेरोइन जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने एक किलोग्राम 'मेथामेफ्टामाइन' और एक किलोग्राम हेरोइन बरामद करने के साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मेथामेफ्टामाइन को 'आइस' या फिर 'क्रिस्टल मेथ' के नाम से भी जाना जाता है, जो एक तरीके का मादक पदार्थ है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की पहचान अमृतसर के भकना कलां गांव के रहने वाले करणदीप सिंह (22), तरनतारन के चोहला साहिब गांव के रहने वाले जीवन सिंह (19) और मनजिंदर सिंह (21) के रूप में हुई है।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अमृतसर के अजनाला रोड पर पुली सुआ के पास जांच चौकी बनाई और आरोपियों की कार से मादक पदार्थ बरामद करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच से पता चला कि करणदीप छह साल बाद पंजाब लौटने से पहले दुबई और मॉस्को में रह रहा था। यादव ने बताया लौटने के बाद करणदीप ने विभिन्न सोशल मीडिया ऐप का उपयोग कर पाकिस्तान में बैठे मादक पदार्थ तस्करों के साथ संपर्क स्थापित किया और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी।

यमुना के तटों पर छठ पूजा की अनुमति देने से दिल्ली उच्च न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने श्रद्धालुओं को यहां यमुना नदी के तटों पर छठ पूजा की अनुमति देने से बुधवार को इनकार कर दिया और कहा कि नदी का जल बहुत प्रदूषित है, जिसकी वजह से लोग बीमार हो सकते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने छठ पूजा को लेकर श्रद्धालुओं के लिए शहर में 1,000 अलग-अलग स्थानों पर पर्याप्त प्रबंध किए हैं और आखिरी क्षणों में और कुछ नहीं किया जा सकता। छठ पर्व की शुरुआत से एक दिन पहले अदालत ने यह फैसला सुनया है।

मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गडेला की पीठ ने कहा, कृपया समझने की कोशिश कीजिए, आप बीमार पड़ जाएंगे। हम आपको (श्रद्धालुओं) पानी में जाने की अनुमति नहीं दे सकते। यह बेहद प्रदूषित है। यह बहुत बड़ा काम है, इसे अभी नहीं किया जा सकता। हम एक दिन में यमुना को साफ नहीं कर सकते। अदालत पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें यमुना नदी के किनारे छठ पूजा समारोह पर दिल्ली सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी।

अराजकतावादी तत्वों का गठबंधन बना रहे हैं राहुल गांधी; देश के लिए खतरनाक : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो गठबंधन बना रहे हैं वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है।

सांगली जिले के जाट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार गोपीचंद पडलकर के लिए एक चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने गांधी के नेतृत्व वाले भारत जोड़ो अभियान को भारत तोड़ो अभियान करार दिया और आरोप लगाया कि अराजकतावादी और धुर वामपंथी संगठन इससे जुड़े हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि भारत के संविधान की लाल जिल्द वाली प्रति दिखाकर गांधीजी क्या संदेश देना चाहते हैं? फडणवीस ने

कहा, आज राहुल गांधी महाराष्ट्र आए हैं (20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने)....राहुल गांधी जिस तरह से गठबंधन कर रहे हैं, वह राज्य और देश के लिए खतरनाक है। भाजपा नेता ने दावा किया, 'भारत जोड़ो' नाम से एक पहल शुरू की गई थी। नाम देखकर लगा कि यह अच्छी पहल है, लेकिन बाद में पता चला कि भारत जोड़ो से जुड़े 150 से 200 संगठनों में से 100 संगठन देश में अराजकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये संगठन अति वामपंथी और अराजकतावादी हैं और अगर इनके पिछले रिकॉर्ड की जांच की जाए तो पता चलता है कि ये लोग समाज में अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि ये संगठन संविधान और न्यायपालिका में समाज का विश्वास कम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत जोड़ो नहीं बल्कि 'भारत तोड़ो' आंदोलन था और मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वह भारत का लाल रंग का संविधान क्यों दिखा रहे हैं और वह किस तरह का संदेश देना चाहते हैं? फडणवीस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस भारतीय समाज के ताने-बाने को नष्ट कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे महाराष्ट्र में अराजकता फैलाने के प्रयोग में लगे हुए हैं। लेकिन अगर जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है तो राज्य में अराजकता की जगह विकास होगा और समाज के अंतिम व्यक्ति का जीवन बदलेगा।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को कोयंबटूर में गांधीपुरम् सेन्ट्रल जेल काम्पलेक्स जो कि 165 एकड़ के सेमोझी पार्क के लिए 167.25 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी मिली, जिसमें 45 एकड़ के पहले चरण, सेमोझी वन, मकरंदा वन, जड़ी-बूटी वन, जल वन, स्टार शामिल हैं का शुभारंभ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। उन्होंने प्रकृति संग्रहालय, ओपन एयर स्टेडियम सहित विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित सेमोझी पार्क के निर्माण कार्य का दौरा और निरीक्षण किया।

इस दौरान नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, लोक निर्माण मंत्री ए.वी. वेलु, आवास एवं शहरी विकास मंत्री सु. मुथुस्वामी, तमिल विकास एवं सूचना मंत्री म.प्र. समीनाथन, विद्युत, निषेध एवं समन्वय मंत्री वी सेंथिलबालाजी, स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेस पोइयामोझी, मुख्य सचिव ना. मुरुगानंदम, कोयंबटूर जिला कलेक्टर क्रांतिकुमार पाडी और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

कमला हैरिस के पैतृक गांव के लोगों ने कहा, 'हैरिस एक योद्धा हैं और वह लौटेंगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवरूर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस भले ही डोनाल्ड ट्रंप से हार गई हों लेकिन वह वापसी करेंगी क्योंकि हैरिस एक योद्धा हैं। हैरिस के पैतृक गांव थुलासेंद्रपुरम के लोगों ने बुधवार को यह बात कही। सुबह से ही गांव के लोग टेलीविजन के आगे टकटकी लगाए बैठे थे और चुनाव परिणामों पर बारीकी से नजर रख रहे थे। कई लोगों ने मीडिया वेबसाइटों पर भी रुझान देखे। कई लोग हैरिस की जीत की प्रार्थना के लिए श्री धर्म सास्था पेरुमल मंदिर भी गये।

हालांकि जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा तो यह स्पष्ट होता गया कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को हरा दिया है। इसके बाद थुलसेंद्रपुरम गांव में जुटी भारी भीड़ छंटनी शुरू हो गई। गांव धीरे-धीरे वीरान होता चला गया और गांव में सन्नाटा सा पसर गया। हैरिस के प्रशंसक जो एक दिन पहले गांव में आए थे, वे भी चले गए। प्रशंसकों में दो अमेरिकी और एक ब्रिटिश नागरिक शामिल था।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की तिरुवरूर जिला इकाई के प्रतिनिधि और थुलसेंद्रपुरम गांव के नेता जे सुधाकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम उनकी (हैरिस की) जीत की उम्मीद कर रहे थे और हमने दिवाली से भी बड़े जश्न की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, हमने पटाखे जलाने, मिठाई बांटने, मंदिर में पूजा करने और सामुदायिक भोज का आयोजन करने की व्यवस्था की थी लेकिन सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। यह एक कठिन लड़ाई थी और आपको उनकी (हैरिस की) जोरदार टक्कर की भावना की प्रशंसा करनी चाहिए। वह एक योद्धा है और वापसी करेंगी। सुधाकर की ही तरह अन्य ग्रामीणों ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी।

गांवावालों ने विश्वास जताया कि हैरिस एक योद्धा के रूप में अपना सफर जारी रखेंगी और किसी न किसी दिन अमेरिका की राष्ट्रपति बनेंगी भले ही इस बार ऐसा न हो सका हो। ओएनजीसी से सेवानिवृत्त कर्मचारी और गांव के निवासी टीएस अनबसारसु ने कहा, हम इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि वह (हैरिस) हार गई लेकिन राहत की बात यह है कि वह केवल 60 वर्ष की हैं और हमें उम्मीद है कि वह अगला चुनाव जीत जाएंगी। हमें विश्वास है कि वह इस हार से निराश नहीं होंगी और अपना काम जारी रखेंगी।

अनबसारसु ने कहा, निश्चित रूप से हमें उम्मीद है कि भविष्य में राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने के बाद वह हमारे गांव का दौरा करेंगी। हमें उम्मीद थी कि वह कुछ साल पहले हमारे गांव का दौरा करेंगी और हमने उनके रिश्तेदारों को संदेश भी भेजा था। हमारा गांव उनकी वजह से एक पर्यटक स्थल बन गया है। ट्रंप, अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं।

'ट्रंप के सिर पर सजेगा ताज' - भारतीय मूल के ज्योतिषी ने जून में ही कर दी थी भविष्यवाणी!

चेन्नई/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की जीत की भविष्यवाणी भारतीय मूल के एक ज्योतिषी ने इस साल जून में ही कर दी थी। काथिर सुबैया, जो सोशल मीडिया में केटी एस्ट्रोलॉजर के नाम से जाने जाते हैं, ने 2 जून को पोस्ट किए गए एक वीडियो में भविष्यवाणी की थी कि ट्रंप एक बार फिर राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। हालांकि उस समय कई लोगों का आकलन था कि डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस काफी मजबूत उम्मीदवार साबित होंगी, जो अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती हैं। अब नतीजे आ गए तो ट्रंप ने सबको चौंका दिया और काथिर सुबैया की भविष्यवाणी ने भी।

भारतीय मूल के ज्योतिषी ने कहा था कि जो बाइडन के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की संभावना नहीं है और कमला हैरिस को आगे लाया जाएगा। उनकी यह भविष्यवाणी 21 जुलाई को सच साबित हुई, जब बाइडन अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गए थे। काथिर सुबैया ने 16 सितंबर को ट्रंप और हैरिस की जन्म कुंडलियों का

विश्लेषण भी पेश किया था। उन्होंने कहा था कि ट्रंप सिंह लग्न और वृश्चिक राशि के हैं, जिनका अधाष्ट्रम शनि काल चल रहा है। वहीं, कमला हैरिस मेष राशि और मिथुन लग्न में अश्विनी नक्षत्र के अंतर्गत आती हैं। उनकी 19 जनवरी, 2024 से 19 जनवरी, 2027 के बीच अनुकूल राहु महादशा और अनुकूल शुक्र अंतर्दशा चल रही है।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, हैरिस की कुंडली के दूसरे भाव में अनुकूल बृहस्पति और लाभ स्थान 11वें भाव में शनि गोचर दृष्टि के आधार पर मौजूद हैं। वहीं, छठे भाव में केतु के विशिष्ट योग बनाने से उन्हें अचानक सौभाग्य की अनुकूलता मिली और वे राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बन गईं। काथिर सुबैया ने बताया था कि 16 सितंबर तक कमला हैरिस का स्वर्णिम काल चलेगा, लेकिन सौभाग्यदायक योग के प्रभाव 17 अक्टूबर को पूरी तरह से बंद हो जाएंगे। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप का भाग्योदय 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होगा। ज्योतिषी ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख 5 नवंबर तय की गई है। यह डोनाल्ड ट्रंप की स्पष्ट जीत का संकेत दे रही है। हालांकि कमला हैरिस के लिए 16 नवंबर से अनुकूल समय फिर शुरू होगा। इससे कई राज्यों में पुनर्मतगणना और डेमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन के बीच विवाद छिड़ने जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप की भी जरूरत पड़ सकती है, जैसा कि नवंबर 2000 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश और अल गोर के बीच राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हुआ था।

बता दें कि काथिर सुबैया पेशे से इंजीनियर हैं। मूलत: तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से आने वाले काथिर वैदिक ज्योतिष संबंधी गणनाओं और भविष्यवाणियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कोरोना काल में, जब दुनियाभर में रोजाना हजारों लोगों की मौतें हो रही थीं, इस महामारी के खात्मे और वैक्सीन की भविष्यवाणी की थी, जो सच साबित हुई थी।

संवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से यूडीएफ गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता नरेन्द्र मोदी संविधान के समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में देश में विभाजन की राजनीति देखने को मिली है जहां सत्तारूढ़ दल ने सत्ता में बने रहने के लिए जनता का ध्यान उनकी वास्तविक समस्याओं से हटाने का प्रयास किया।

मलप्पुरम जिले की वानदूर विधानसभा में चेरूकोडे में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब ऐसे लोग राजनीति में शक्तिशाली हो जाते हैं तो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं रहता। बाद में वानदूर विधानसभा क्षेत्र के थुवूर और कालिकावू कस्बों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि मोदी ऐसे नेता हैं जो उन्हें चुनने वाले लोगों की अवहेलना करते हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल सत्ता में बने रहने के लिए करते हैं।

उन्होंने कहा, ''वह ऐसे नेता हैं जो समुदायों और जनता के बीच अविश्वास और भय फैलाते हैं ताकि लोगों को विभाजित करके लंबे समय तक सत्ता में रहा जा सके। वह लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज करते हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य किसी भी तरह सत्ता में बने रहना है।''

प्रियंका ने मोदी पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को अपने ''व्यापारी मित्रों' को बेचने, बड़े व्यवसायों के 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ करने तथा किसानों और छोटे एवं मध्यम उद्यमों को बहुत कम सहायता देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करते हैं, लेकिन उन्हें किसानों की तरह ही समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए अपने पांच दिवसीय प्रचार अभियान के चौथे दिन आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में देश में किसानों या मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए कोई समर्थन प्रणाली नहीं है।

उन्होंने समुदायों के बीच डर और अविश्वास पैदा करने वाले तरीकों की आलोचना करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति में इनकी कोई जगह नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड में मसालों जैसे उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों की पैदावार होती है, लेकिन किसानों को खेती में कोई भविष्य नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि छात्र एवं अन्य लोग बेहतर रोजगार अवसरों तथा उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश चले जाते हैं। उन्होंने पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषय भी उठाए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि वह 'एक योद्धा' हैं और अगर उन्हें मौका मिला तो वह वायनाड के लोगों के लिए संसद और हर दूसरे मंच पर लड़ेंगी ताकि उनके मुद्दों का समाधान निकल सके। उन्होंने कहा, मैं पीछे नहीं हटूंगी। मैं आपके लिए लड़ूंगी। मैं आपको निराश नहीं करूंगी। अब हम एक परिवार हैं।

अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार चुनाव लड़ रहीं प्रियंका गांधी वाद्रा सात नवंबर तक केरल में रहेंगी। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा। वायनाड सीट के लिए उपचुनाव इसलिए जरूरी हो गया था क्योंकि वायनाड और रायबरेली दोनों जगहों से लोकसभा चुनाव जीतने वाले राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया।

बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के छात्रों का यूनाइटेड किंगडम (यूके) का शैक्षणिक दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर लिंगराज गांधी ने 6 नवम्बर को अकादमिक अध्ययन दौरे के लिए यूके रवाना होने की पूर्व संध्या पर स्कॉउट (स्कॉलर्स फॉर आउटस्टैंडिंग अंडरग्रेजुएट टैलेंट) कार्यक्रम के लिए चुने गए छात्रों और नामित शिक्षकों को सम्मानित किया। कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद, ब्रिटिश काउंसिल और चुनिंदा सार्वजनिक विश्वविद्यालयों ने स्कॉउट कार्यक्रम के तहत 9 से 23 नवम्बर तक लंदन, यूके की यात्रा के लिए तीस छात्रों और छह संकाय सदस्यों और स्काउट के दो अधिकारियों के लिए एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया है। विश्वविद्यालय चयनित छात्रों के यात्रा व्यय को वहन करेगा तथा पूरे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान समन्वय सुनिश्चित करेगा। वाणिज्य संकाय के डीन तथा स्काउट कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. के.आर. जलाजा छात्रों के साथ एक संरक्षक के रूप में मौजूद रहेंगे।

बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्रों को दिया जाने वाला यह एक अनूठा अवसर है, जिससे छात्रों को अपने व्यावसायिक तथा शैक्षणिक कौशल को विकसित करने के लिए यू.के. शिक्षा का अनुभव प्राप्त होगा। कुलसचिव, कुलसचिव (मूल्यांकन), डीन तथा संकाय सदस्य सम्मान समारोह में उपस्थित थे।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी ने राघवेंद्र स्वामी मठ में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने यहां जयनगर में राघवेंद्र स्वामी मठ में पूजा-अर्चना की। इस दंपति के साथ सुनक के ससुराल वाले यानी इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति भी थीं। सुधा मूर्ति राज्यसभा की सदस्य हैं। गुरु राघवेंद्र स्वामी का आशीर्वाद लेते सुनक दंपति की तस्वीरें सोशल मीडिया मंचों पर सामने आई हैं। उन्होंने मंगलवार को अपनी यात्रा के दौरान मंदिर के पारंपरिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया।

रोड शो

शिग्गावी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव अभियान के तहत बुधवार को कार्यकर्ताओं की उत्साही भागीदारी के साथ सावनूर में एक रोड शो आयोजित किया गया। कर्नाटक भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज एस. बोम्मई, भाजपा प्रत्याशी भरत बोम्मई सहित प्रमुख लोग शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

सलमान खान को धमकी भरा संदेश भेजने के आरोप में कर्नाटक से एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को धमकी भरा संदेश भेजने और उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने कर्नाटक से एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक के हवेली के रहने वाले भीकाराम जलाराम बिश्नोई (35) को वर्ली पुलिस थाने की एक टीम ने पूछताछ के बाद बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि मूल रूप से राजस्थान के जालौर के रहने वाले बिश्नोई ने मुंबई यातायात पुलिस के नियंत्रण कक्ष की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर सोमवार रात एक धमकी भरा संदेश भेजा था। संदेश में कहा गया था, सलमान खान को अगर जिंदा रहना है, तो उसे हमारे मंदिर में जाकर माफी मांगनी चाहिए या पांच करोड़ रुपये देन चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो हम उसे मार देंगे, हमारा गैंग अभी भी सक्रिय है।

अधिकारी के मुताबिक, संदेश भेजने वाले ने दावा किया कि वह जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ वर्ली पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारी के अनुसार, जांच के दौरान पता चला कि आरोपी भीकाराम जलाराम बिश्नोई कर्नाटक का रहने वाला है, जिसके बाद वर्ली पुलिस की एक टीम को उसे पकड़ने के लिए भेजा गया। बिश्नोई को मंगलवार देर रात पकड़ा गया और उससे पूछताछ के बाद वर्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड के लिए स्थानीय अदालत में पेश किया गया और अब उसे मुंबई लाया जा रहा है।

स्टेट बैंक में कर्नाटक राज्य ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य स्थापना दिवस 1 नवम्बर के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, सेंट मार्क्स रोड में कर्नाटक राज्य ध्वजारोहण समारोह उपयुक्त रूप से मनाया गया।

महाप्रबंधक (नेटवर्क 2) वी एन शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कर्नाटक राज्य के ध्वज का ध्वजारोहण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक कर्नाटक की जनता को उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है और अपनी दैनिक बैंकिंग गतिविधियों में कन्नड़ का कार्यान्वयन कर रहा है। महाप्रबंधक (नेटवर्क 1) सुशील कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी राजेश चौरे तथा स्टेट बैंक के अन्य शीर्ष अधिकारी, स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवार सदस्य इस समारोह में उपस्थित रहे।

कर्नाटक राज्य की स्थापना, कन्नड़ भाषा, कर्नाटक के ध्वज के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

इस अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्टाफ सदस्यों ने लोकप्रिय कन्नड़ गीत प्रस्तुत कर उपस्थित सभी दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर स्टेट बैंक के पूरे परिसर को पीले एवं लाल रंग से सजाया गया।

समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर फरीद ने एक प्रतिनिधि मंडल के साथ ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घघाटन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर असम राज्य विधान सभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, डॉ. के. सुधाकर एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रोजगारोन्मुखी कौशल एजुकेशन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर होगा गहन मंथन : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कभी मरूभूमि के रूप में पहचान रखने वाला हमारा राजस्थान निरंतर प्रगति, समृद्धि और उन्नति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास और जनता के हितोतार्थ 'राइजिंग राजस्थान' जैसा ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व आयोजन आयोजित होने जा रहा है। इससे पूर्व प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में 6 नवंबर को होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, जयपुर में एजुकेशन प्री–समिट 2024 का आयोजन किया गया । उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता, और हितधारकों को एक साथ लाएगा, बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास हेतु रणनीतियों और नवाचारों पर विचार–विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, राजस्थान सरकार, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की अध्यक्षता और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जी के कुशल नेतृत्व में हो रही इस प्री–समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई–लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च–स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री–समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं, जो शिक्षा, तकनीकी–उच्च शिक्षा, कौशल विकास व खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था, लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम 6 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी माटी से जुड़ने के लिए मैं राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करता हूं। शिक्षा जीवन की नींव होती है, जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चीता परियोजना पर समन्वय के लिए मध्यप्रदेश-राजस्थान संयुक्त समिति का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/जयपुर। मध्यप्रदेश से चीतों के पड़ोसी राज्य राजस्थान में भटकने की घटनाओं के मद्देनजर, दोनों राज्यों की एक संयुक्त गलियारा प्रबंधन समिति का गठन किया गया है, जो चीतों के संरक्षण के लिए काम करेगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि समिति मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) और गांधी सागर अभयारण्य क्षेत्र से चीतों को भविष्य में स्थानांतरित करने के लिए उपयुक्त क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा करेगी और सुधार के उपायों की सिफारिश करेगी।

महत्वाकांक्षी चीता पुनरुत्पादन परियोजना के तहत 17 सितंबर, 2022 को श्योपुर जिले में केएनपी में आठ नामीबियाई चीतों को बाड़ों में छोड़ा गया। इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते पार्क में लाए गए। इस साल मई में केएनपी से एक चीता राजस्थान के करोली जिले में भटक गया था और बाद में उसे वापस मप्र लाया गया। दिसंबर 2023 में एक चीता राजस्थान के बारां जिले में भटक गया था और बाद में उसे वापस केएनपी लाया गया। अधिकारी ने बताया कि चीता परियोजना के कॉरिडोर प्रबंधन के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों की एक संयुक्त समिति गठित की गई है। यह समिति चीतों की आवाजाही और संरक्षण के लिए कॉरिडोर के विकास और प्रबंधन के बारे में अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर चर्चा करेगी और उसे तैयार करेगी।

अधिकारी ने बताया कि इसमें कुनो से राजस्थान तक मौजूदा गलियारे से होकर गुजरने वाले चीतों के प्रबंधन के लिए निगरानी, ड्ड्ड्गश्त और अन्य कार्यों में लगे अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर चर्चा की जाएगी।

मध्यप्रदेश और राजस्थान के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य संरक्षक (वन्यजीव) को समिति का संयुक्त अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधिकारी ने बताया कि समिति के सदस्यों के रूप में नामित अन्य अधिकारियों में मध्यप्रदेश और राजस्थान के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, निदेशक शिवपुरी, दोनों राज्यों के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि और भारतीय वन्यजीव संस्थान , देहरादून द्वारा नामित एक प्रतिनिधि शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, केएनपी में पिछले दो वर्षों में भारतीय धरती पर 17 चीता शावकों का जन्म हुआ।

रणथंभौर अभयारण्य के 75 बाघों में से एक तिहाई लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बाघों के लिए विख्यात रणथंभौर राष्ट्रीय अभयारण्य में से पिछले एक साल के दौरान 75 में से 25 बाघ लापता हो गए। मुख्य वन्यजीव वार्डन पवन कुमार उपाध्याय ने सोमवार को अभयारण्य के अधिकारियों को यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब एक साल में इतनी बड़ी संख्या में बाघों के लापता होने की आधिकारिक सूचना दी गई है। इससे पहले, जनवरी 2019 और जनवरी 2022 के बीच रणथंभौर से 13 बाघों के लापता होने की सूचना मिली थी।

वन्यजीव विभाग ने इतनी बड़ी संख्या में बाघों के लापता होने के मामले की जांच के लिए सोमवार को तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। यह समिति निगरानी रिकॉर्ड की समीक्षा करेगी और पार्क अधिकारियों की ओर से कोई चूक पाए जाने पर कार्रवाई की सिफारिश करेगी। समिति का मुख्य ध्यान उन 14 बाघों को खोजने पर रहेगा जो इस साल 17 मई से 30 सितंबर के बीच नहीं देखे गए हैं।

चार नवंबर को जारी एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि रणथंभौर के निगरानी आकलन से बाघों के लापता होने की रिपोर्ट बार–बार सामने आई है। इस आदेश में कहा गया है, ''पार्क के फील्ड डायरेक्टर को कई नोटिस भेजे जाने के बावजूद, हालात में खास सुधार नहीं हुआ है। 14 अक्टूबर, 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार 11 बाघ एक साल से अधिक समय से लापता हैं, जबकि 14 अन्य के बारे में हाल ही में सीमित साक्ष्य मिले हैं।'' इसके अनुसार, मौजूदा हालात को देखते हुए रणथंभौर में लापता बाघों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उपाध्याय ने कहा, समिति दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। हमने निगरानी में कुछ कमियां चिन्हित की हैं जिन्हें हम दूर करना चाहते हैं। हाल ही में, मैंने साप्ताहिक निगरानी रिपोर्ट एकत्र करना शुरू किया, जिससे पता चला कि ये बाघ ट्रैप कैमरे पर रिकॉर्ड नहीं किए गए थे। इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस अभयारण्य में दबाव कम करने के प्रयासों में बफर जोन से गांवों को हटाना शामिल है, लेकिन इस दिशा में भी कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आखिरी बार 2016 में गांवों को हटाया गया था। अभयारण्य के अधिकारियों ने कहा है कि रणथंभौर में बाघों को उनकी अधिक संख्या के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उनमें इलाके को लेकर आए दिन लड़ाई होती है। यह अभ्यारण्य 900 वर्ग किलोमीटर में फैला है और यहां शावकों सहित 75 बाघ हैं।

वायुसेना का हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में खेत में उतरा

जयपुर। भारतीय वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर को बुधवार को मेड़ता के पास एक खेत में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इसमें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मेड़ता के पुलिस उपाधीक्षक रामकरण सिंह ने बताया कि वायुसेना के रूद्र हेलीकॉप्टर को बुधवार दोपहर जसनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के एक खेत में उतराना पड़ा। उन्होंने बताया कि वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर जोधपुर से जयपुर जा रहे थे जिस दौरान एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण उसकी 'इमरजेंसी लैंडिंग' एक खाली खेत में करवाई गई। सिंह ने बताया कि वायु सेना के कर्मचारियों ने तकनीकी खामी दूर की और इसके बाद हेलीकॉप्टर यहां से रवाना हो गया।

लुंबाराम चौधरी से व्यापारी बोले-हाट बाजार से शहर में शांति व्यवस्था को खतरा, इसे बंद कराया जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। सांसद लुंबाराम चौधरी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर आबूरोड पहुंचे। इस दौरान सामूहिक व्यापार संगठन के बैनर तले व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर आबूरोड में हर महीने 14 तारीख को लगने वाले मासिक हाट बाजार को तत्काल प्रभाव से बंद करवाने की मांग की। साथ ही व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित किया गया।

सांसद लुंबाराम चौधरी से मुलाकात के दौरान व्यापारियों ने बताया कि आबूरोड के गांधीनगर क्षेत्र में हर माह 14 तारीख को मासिक हाट बाजार लगता है। इस बाजार में समीपवर्ती गुजरात के विभिन्न स्थानों से व्यापारी अपने उत्पाद बेचने के लिए आते हैं। इस मासिक हाट बाजार में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। व्यापारियों का कहना है कि इस बाजार में पिछले काफी समय से असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे शहर की शांति व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हो गया है और आमजन में असुरक्षा का माहौल बन गया है।

व्यापारियों ने ज्ञापन देकर शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस मासिक हाट बाजार को तत्काल प्रभाव से बंद करवाने की मांग की है।

साथ ही, व्यापारियों ने गांधीनगर समपार फाटक पर बने ओवरब्रिज पर शाम के समय अंधेरा होने के कारण गांधीनगर क्षेत्र के निवासियों को आवाजाही में होने वाली परेशानी का समाधान करने के लिए वहां पर स्ट्रीट लाइटें लगवाने की भी मांग की।

ज्ञापन में रेलवे प्रशासन द्वारा हाल ही में बाजार में आने वाले मार्गों पर टीनशेड लगाकर बंद करने पर आपत्ति जताते हुए इन मार्गों को पुनः खोलने की भी मांग की गई है। इस दौरान व्यापारियों की अन्य समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित कर राहत प्रदान करने की मांग की गई। इस अवसर पर सामूहिक व्यापार संगठन के अध्यक्ष सुकेश कुमार गोयल और महामंत्री ओमप्रकाश सैनी सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद रहे।

राजापार्क पंचवटी सर्किल पर बदमाशों ने उड़ाए 2 करोड़ के आईफोन और गैजेट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह चार बजे एक साहसी चोरी की वारदात ने पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंचवटी सर्किल स्थित एक मोबाइल शोरूम से तीन बदमाश लगभग 20 मिनट में ही दो करोड़ रुपये के एप्पल गैजेट्स, आईफोन, मैकबुक, टैब और स्मार्टवॉच चुराकर फरार हो गए। हैरानी की बात है कि शोरूम से महज 500 मीटर की दूरी पर ही पुलिस स्टेशन स्थित है, लेकिन इस दौरान पुलिस की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ।

दुकान मालिक रविंद्र सिंह ने बताया कि रात करीब 3:30 बजे तीन बदमाश बाइक पर आए थे। कुछ देर तक शोरूम के बाहर रैकी करने के बाद उन्होंने शटर तोड़ दिया और अंदर घुसकर ताबड़तोड़ लूटपाट शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि दो बदमाशों ने चेहरे ढके हुए थे और वे बैग लेकर आए थे, जिसमें उन्होंने शोरूम से चुराए 272 गैजेट्स भर लिए। आरोपियों ने 20 मिनट के भीतर ही सारा माल समेटकर फरार होने में कामयाबी हासिल की।

चोरी का पता सुबह उस समय चला जब स्थानीय लोगों ने शोरूम का टूटा हुआ शटर देखा और दुकान मालिक व पुलिस को सूचना दी। एसीपी शिवकुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों बदमाशों के स्केच तैयार कर अन्य थानों में सर्कुलेट कर दिए गए हैं, और विभिन्न टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया गया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है, लेकिन इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला है।

इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 500 मीटर की दूरी पर पुलिस स्टेशन होने के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हुई चोरी से स्थानीय लोग भी चिंतित हैं।

योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 06 नवंबर। निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता बचनेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को अंबेडकर भवन स्थित निदेशालय के सभागार में विभिन्न योजना प्रभारियों और जिलाधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशक ने अधिकारियों की कार्य–प्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सही जरूरतमंद व्यक्ति को मिलना चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को छात्रवृत्ति योजना के तहत लंबित आवेदनों एवं छात्रवृत्ति संबंधित आपत्तियों का निस्तारण प्रभावी तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने 75% से कम छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने वाले जिलाधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की छात्रवृत्ति पोर्टल पर अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन करवाए। अग्रवाल ने सभी जिलाधिकारियों को लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित करने और एट्रोसिटी से संबंधित लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन और पालनहार योजना में वार्षिक भौतिक सत्यापन से शेष रहे प्रकरणों का समयबद्ध सत्यापन किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद ही पेंशनर्स की पेंशन बंद करने या उसका नाम हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाए। इसके अतिरिक्त अग्रवाल ने नशा मुक्त भारत अभियान, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण, संपर्क पोर्टल, ई फाइलिंग के निस्तारण सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

भारत और राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और राजस्थान में महिलाएँ पूरी तरह से सुरक्षित हैं। भारत और राजस्थान में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। केन्द्र एवं राजस्थान राज्य की सरकार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में प्रभावी कानून और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र व राज्यों में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लिंग आधारित हिंसा को खत्म करने और भेदभाव का मुकाबला करने के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र में नया वातावरण बना है।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को आस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने भेदभावपूर्ण कानून का मुकाबला–लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ 365 की सक्रियता, संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग अवसर और चुनौतियां तथा मानकीकरण , मानक और दिशानिर्देश– सर्वोत्तम परम्पराओं को अपनाने के माध्यम से संसद को मजबूत बनाने आदि विषयों पर सम्मेलन को संबोधित किया। लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए भारत प्रतिबद्ध– देवनानी ने कहा कि भारत और राजस्थान लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए केन्द्र और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

गांवों मे डेयरी गतिविधियों को बढ़ाने व अधिकाधिक पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को उदयपुर सरस डेयरी का अवलोकन किया। मंत्री कुमावत ने यहां दुग्ध की प्रोसेसिंग, गुण नियंत्रण, दुग्ध उत्पाद निर्माण अनुभाग का अवलोकन कर उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा उत्पादित घी, छाछ, लस्सी, पनीर, श्रीखंड, फ्लेवर्ड मिल्क, कुल्फी, मावा एवं पेड़ा निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली एवं उदयपुर दुग्ध संघ द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। उन्होंने परिसर मे स्थित शबरी पार्लर का विस्तार कर इसे आकर्षक एवं सुंदर बनाने को कहा। उन्होंने गांवों मे डेयरी गतिविधियों को बढाने, अधिक से अधिक पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने तथा दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बरकरार रखने पर जोर दिया। उन्होंने अन्य डेरियों की तर्ज पर नवाचार करने का सुझाव दिया। प्रारंभ में दुग्ध संघ के अध्यक्ष डालचंद डांगी ने मंत्री कुमावत का साफा एवं उपरणा पहनाकर स्वागत किया। प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने संघ के समस्त कार्यकलापों व प्रगति से अवगत कराया और संघ द्वारा दुग्ध उत्पादकों के लिये चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

रातोंरात बुलडोजर लाकर मकान नहीं गिरा सकते : शीर्ष अदालत ने उप्र सरकार से नाखुशी जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को 2019 में अवैध तरीके से ढांचों को गिराने को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से नाखुशी जताई और सड़कें चौड़ी करने एवं अतिक्रमण हटाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी किए।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश को निर्देश दिया कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए जिसका घर 2019 में सड़क चौड़ी करने की एक परियोजना के लिए गिरा दिया गया था। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकील से कहा, आप ऐसा नहीं कर सकते कि बुलडोजर लेकर आएं और रातों रात भवनों को गिरा दें। आप परिवार को घर खाली करने के लिए समय नहीं देते। घर में रखे घरेलू सामान का क्या?''

शीर्ष अदालत की पीठ ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव से कहा कि महाराजगंज जिले में मकान गिराने से संबंधित मामले में जांच कराई जाए और उचित कार्रवाई की जाए। पीठ ने उन कदमों के बारे में भी विस्तार से बात की जो किसी राज्य को सड़क चौड़ी करने की परियोजना के संदर्भ में कार्रवाई से पहले उठाने चाहिए। तदनुसार, शीर्ष अदालत ने राज्यों से कहा कि वे अभिलेखों या मानचित्रों के आधार पर सड़क की मौजूदा चौड़ाई का पता लगाएं तथा सर्वेक्षण करें, जिससे सड़क पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसका पता चल सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि सड़क पर अतिक्रमण का पता चलता है तो राज्य को इसे हटाने से पहले अतिक्रमण करने वाले को नोटिस जारी करना होगा और यदि नोटिस की सत्यता और वैधता पर आपत्ति जताई जाती है तो राज्य प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए 'स्पीकिंग ऑर्डर' (कारण सहित आदेश) जारी करेगा।

पीठ ने कहा कि यदि आपत्ति को खारिज कर दिया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को अतिक्रमण हटाने के लिए एक तर्कसंगत नोटिस दिया जाएगा।

पीठ ने कहा कि यदि संबंधित व्यक्ति इसका अनुपालन नहीं करता, तो सक्षम प्राधिकारी अतिक्रमण हटाने के लिए कदम उठाएंगे, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी या अदालत के आदेश से रोक न लगाई जाए।

पीठ ने कहा कि ऐसे मामले में जहां सड़क की मौजूदा चौड़ाई, जिसमें उससे सटी राज्य की भूमि भी शामिल है, सड़क चौड़ीकरण के लिए पर्याप्त नहीं है, तो राज्य इस कार्रवाई को शुरू करने से पहले कानून के अनुसार अपनी भूमि का अधिग्रहण करने के लिए कदम उठाएगा।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ भटनागर और अधिवक्ता शुभम कुलश्रेष्ठ पक्ष रख रहे थे। अदालत ने उनका पक्ष सुनते हुए कहा, यह स्पष्ट है कि मकान गिराने की प्रक्रिया पूरी तरह मनमानी थी और कानून का पालन किए बिना इसे अंजाम दिया गया। सुनवाई के दौरान पीठ को संबंधित क्षेत्र में 123 ढांचों को गिराए जाने के बारे में सूचित किया गया।

ओडिशा: बीजद की पूर्व विधायक सुनंदा दास भाजपा में शामिल

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्व विधायक सुनंदा दास और उनके पति देबेन्द्र दास बुधवार को यहां भाजपा में शामिल हो गए। सुनंदा दास, 2019 से 2024 तक जाजपुर जिले के बारी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रही थीं। उन्होंने विपक्षी पार्टी बीजद से पिछले हफ्ते इस्तीफा दे दिया था। इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए बीजद ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था।

दंपती यहां भाजपा के प्रदेश प्रमुख मनमोहन समल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। सुनंदा दास ने पिछले हफ्ते बीजद से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि सरकारी अधिकारियों ने इस साल हुए लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान बीजद के टिकट बांटे थे। उन्होंने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल से कहा था, हमें (टिकट के आकांक्षियों को) टिकट के लिए अधिकारियों से मिलने को कहा गया था। मैं दो आईपीएस अधिकारियों से मिली थी और मुझे पार्टी के टिकट का भरोसा दिलाया गया था। हालांकि, उन्होंने आखिरी क्षणों में मुझे टिकट देने से मना कर दिया।

झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन की गारंटी 'फुस्स बम' की तरह : केंद्रीय मंत्री चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की गारंटी को बुधवार को 'झूठ' और 'फुस्स बम' करार दिया। चौहान ने पत्रकारों से बात करते दावा किया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी वादे किए थे, लेकिन उनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ।

चौहान ने कहा, उन्होंने (झामुमो और कांग्रेस ने) कहा था कि वे पांच लाख सरकारी नौकरियां देंगे, लेकिन नहीं दीं। उन्होंने चूल्हा-खर्च (घरेलू खर्च) के लिए 2,000 रुपए मासिक देने का वादा किया, लेकिन नहीं दिए। वे चुनाव से ठीक दो महीने पहले 1,000 रुपए देने की योजना लेकर आए। उन्होंने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया, मगर नहीं दिया। भाजपा नेता ने कहा कि इन दलों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बोनस देकर धान की फसल खरीदने का वादा किया था, लेकिन यह भी नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, झामुमो ने (पिछले विधानसभा चुनाव में) 117 वादे किए थे, कांग्रेस ने 344 वादे किए थे। पिछले पांच सालों में उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ और अब वे नए वादे लेकर आए हैं। ये गारंटी फुस्स बम की तरह हैं जो कभी नहीं फूटते और लोगों को उन पर कोई भरोसा नहीं है। चौहान ने कहा कि वहीं, भाजपा अपने सभी वादे पूरे करती है, जैसा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा में देखा गया है।

निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच कर लें राहुल: नेता प्रतिपक्ष के लेख पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 'बेबुनियाद आरोप' लगाने के लिए बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आलोचना की और उनसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच करने की सलाह दी।

सत्तारूढ़ भाजपा की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब राहुल गांधी ने कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी भले ही सैकड़ों साल पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है और एकाधिकारवादियों की एक नई पीढ़ी ने उसकी जगह ले ली है। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भाजपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, तथाकथित 'मैच फिक्सिंग एकाधिकार समूहों बनाम फेयर-प्ले बिजनेस' के माध्यम से मोदी सरकार के खिलाफ एक और निराधार आरोप बस भ्रामक है। भाजपा ने परोक्ष रूप से राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, प्रिय बालक बुद्धि, तथ्यों की जांच किए बिना जल्दबाजी में निष्कर्ष पर मत पहुंचें।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के बाद भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच सहयोग पर्यावरण से लेकर प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र तक फैला हुआ है।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में ट्रंप ने अमेरिकी विदेश नीति में सुधार की बात कही थी, जिसमें 'अमेरिका फर्स्ट (प्रथम)' के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। उन्होंने विदेशी वस्तुओं पर शुल्क लगाने की भी बात की थी जिसे लेकर नई दिल्ली में चिंताएं बढ़ गई थीं। सिंधिया की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि भारत इस बात को लेकर आशावादी है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे मजबूत सैन्य ताकत के साथ निर्बाध व्यापार और आर्थिक संबंध बनाए रखेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ट्रंप को चुनाव में उनकी जीत पर बधाई देने के बाद भारत सरकार के किसी महत्वपूर्ण मंत्री द्वारा की गई यह पहली टिप्पणी है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है, जिसका कुल वार्षिक व्यापार 190 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका-भारत संबंध बहुत मजबूत आधार पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हुए हैं और दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा है और आर्थिक प्रगति हुई है।

ट्रंप के आने के बाद पेरिस समझौते का भविष्य अधर में : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत सुनिश्चित होने के बाद बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े वर्ष 2015 के पेरिस समझौते का भविष्य अधर में पड़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अमेरिका फिर से इस समझौते से पीछे हट गया, तो यह विनाशकारी होगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, डोनाल्ड ट्रंप ने आश्चर्यजनक वापसी की है। निस्संदेह, ऐसा क्यों और कैसे हुआ, इसका अगले कुछ हफ्तों में विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा। साथ ही यह सवाल भी उठेगा कि इस वापसी का अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए क्या मतलब है। उन्होंने कहा, यह निश्चित है कि जलवायु परिवर्तन पर 2015 के पेरिस समझौते का भविष्य अब अधर में है। यदि अमेरिका फिर से इस समझौता से पीछे हट गया, तो यह विनाशकारी होगा।

पिछली 'डबल इंजन' सरकार ने झारखंड को पीछे धकेल दिया : झामुमो विधायक कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा की पिछली 'डबल इंजन' सरकार ने राज्य को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल दिया। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में पिछली भाजपा सरकार के दौरान हजारों स्कूल बंद कर दिए गए और गरीबों के राशन कार्ड रद्द कर दिए गए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना रांची के सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, भाजपा की पिछली डबल इंजन सरकार ने झारखंड को आगे बढ़ाने के बजाय पीछे धकेल दिया। हजारों स्कूल बंद कर दिए गए और राशन कार्ड रद्द कर दिए गए।

कल्पना ने कहा कि मौजूदा झामुमो सरकार ने गरीबों को 20 लाख ग्रीन राशन कार्ड मुहैया कराए। उन्होंने कहा, गरीब बच्चों को निजी विद्यालयों की ही तरह शिक्षा मुहैया कराने के लिए राज्य में 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' की शुरुआत की गई। कल्पना ने कहा कि झारखंड में करीब 40 लाख लोग पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों में झारखंड में करीब 27 लाख लोगों को पेंशन योजना में शामिल किया गया और उन्हें सरकारी खजाने से 1,000 रुपए पेंशन दी जा रही है।

कल्पना सोरेन ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के अधिकारों और पहचान के लिए लड़ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने झारखंड को लूटा और प्रदेश के संसाधनों को पार्टी शासित दूसरे राज्यों में भेज दिया।

शारदा सिन्हा के बेटे को अपनी मां को मरणोपरांत पद्म विभूषण मिलने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। 'बिहार कोकिला' के नाम से प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने बृहस्पतिवार को इच्छा जताई कि उनकी दिवंगत मां को मरणोपरांत देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित करने पर विचार किया जाए। लंबे समय से मायलोमा (एक तरह का रक्त कैंसर) से जूझ रहीं सिन्हा का मंगलवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 72 साल की थीं।

अंशुमान ने पटना के राजेंद्र नगर स्थित पारिवारिक आवास (कंकड़बाग के पास) पर संवादादाताओं से बातचीत के दौरान उम्मीद जताई कि उनकी दिवंगत मां को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित करने पर विचार किया जाएगा। सिन्हा का पार्थिव शरीर उनके इसी आवास में रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में प्रशंसक और शुभचिंतक लोक गायिका के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अंशुमान ने कहा, उन्होंने (शारदा सिन्हा ने) बहुत कुछ किया और वह बिहार ही नहीं, बल्कि देश के बाहर भी बेहद लोकप्रिय थीं। इस संबंध में हमारी कोई शिकायत या मांग नहीं है, लेकिन हमें हमेशा लगता है कि उन्हें पद्म विभूषण से नवाजा जाना चाहिए था।

शारदा सिन्हा को पद्मश्री और पद्म भूषण से पहले ही सम्मानित किया जा चुका था।

लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष ने झूठ फैलाया, जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारामती/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दलों को लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा संविधान के संबंध में फैलाए गए झूठे विमर्श का खामियाजा भुगतना पड़ा।

हालांकि, अजित ने कहा कि सरकार की जन-केंद्रित योजनाओं की वजह से महायुति के महाराष्ट्र में सत्ता में बने रहने के लिए अनुकूल माहौल है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ऐसे वादे कर रहा है, जिन्हें वह पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि वह बारामती विधानसभा सीट पर एक बार फिर जीत दर्ज करेंगे। उपमुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का घोषणापत्र जारी करने के बाद बोल रहे थे। शिवसेना और भाजपा के साथ महायुति गठबंधन में शामिल उनकी पार्टी (राकांपा) राज्य की 52 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। राकांपा ने उन सभी सीट के लिए निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट घोषणापत्र भी जारी किया है, जिन पर वह चुनाव लड़ रही है। अजित बारामती से फिर से किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि उनके चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने इस सीट से युगेंद्र पवार को मैदान में उतारा है। युगेंद्र अजित पवार के भतीजे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छठ पर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पूजा पर बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व सभी को पर्यावरण की रक्षा एवं संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा, छठ पूजा, जो देश के सबसे पुराने पर्व में एक है, सूर्य की पूजा करने का अवसर है। इस पर्व पर, प्रकृति के अनूठे उपहार नदियों और तालाबों की भी पूजा की जाती है। कठोर उपवास के जरिये यह पर्व हमारे मन और आत्मा को शुद्ध करता है।

मुर्मू ने कहा, यह पर्व हमें हमारे पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रपति ने कहा, छठ पूजा के अवसर पर, भगवान सूर्य, हमारी नदियों और प्रकृति के उपहार के प्रति अपनी आस्था दोहराएं। यह पर्व हमारे जीवन में खुशियां लाए और प्रकृति के प्रति हमारी श्रद्धा बढ़ती रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संदेश में कहा, आस्था के महापर्व, छठ पूजा के पावन अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

ओडिशा में आग लगने से 90 वर्षीय महिला और बेटी की मौत

संबलपुर/भाषा। ओडिशा के संबलपुर जिले के एक घर में आग लगने से 90 वर्षीय एक महिला और उनकी बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना जिले के संबलपुर सदर थाने के अंतर्गत हाटपाड़ा इलाके में मंगलवार रात को उस समय हुई जब दोनों सो रही थीं।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान स्नेहलता दीक्षित (90) और सैरेंद्री दीक्षित (62) के रूप में हुई है। बुजुर्ग महिला और उनकी 62 वर्षीय बेटी दो मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर रहती थीं। उन्होंने बताया कि महिला का बेटा अपने परिवार के साथ इमारत के भूतल पर रहता है। अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार रात 10 बजे से 11 बजे के बीच इमारत की पहली मंजिल पर आग लगी, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी।

ऋषभ पंत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान के उछाल से छठे स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले हफ्ते मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में प्रदर्शन के बूते बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए। पंत ने मुंबई टेस्ट के दौरान दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं, हालांकि भारत तीसरे और अंतिम टेस्ट में हार से श्रृंखला 0-3 से गंवा बैठा। इस प्रदर्शन से पंत को रैंकिंग में फायदा हुआ जो संकेत है कि वह गंभीर कार दुर्घटना के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। अब यह बायें हाथ का बल्लेबाज जुलाई 2022 में रैंकिंग में हासिल किए गए अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से महज एक कदम पीछे है।

शीर्ष टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाजों में बायें हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं जो एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड ने मुंबई में 25 रन की करीबी जीत से श्रृंखला में वाइटवाश किया जिससे शीर्ष 10 टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पंत और दौरा करने वाली टीम के डेरिल मिचेल को फायदा हुआ। मिचेल आठ पायदान की छलांग से सातवें स्थान पर पहुंच गए, उन्होंने मुंबई टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी में 82 रन की पारी खेली जिससे वह टीम के साथी केन विलियमसन (दूसरे स्थान) के साथ शामिल हो गए जो न्यूजीलैंड के शीर्ष 10 में मौजूद एकमात्र खिलाड़ी थे। इंग्लैंड के दायें हाथ के बल्लेबाज जो रूट ने सूची में शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है जिसमें विलियमसन, हैरी ब्रुक (तीसरे), जायसवाल (चौथे) और स्टीव स्मिथ (पांचवें) उनके लिए चुनौती हैं।

भारत के शुभमन गिल ने मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 90 रन की पारी खेली जिससे वह चार पायदान के लाभ से 16वें स्थान पर पहुंचे जबकि न्यूजीलैंड के 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' विल यंग 29 पायदान की उछाल से 44वें स्थान पर काबिज होने में सफल रहे। रविंद्र जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट लेने से टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दो पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंचे जिससे वह रविचंद्रन अश्विन से एक स्थान पीछे हैं। कागिसो रबाडा शीर्ष रैंकिंग पर काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस से आगे दूसरे स्थान पर हैं। वहीं टीम साथी वाशिंगटन सुंदर टेस्ट गेंदबाजों में सात पायदान के लाभ से 46वें स्थान पर पहुंच गए।

हमें स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने थाडौ सम्मेलन में पारित उस प्रस्ताव पर बुधवार को संतोष जताया, जिसमें राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और राज्य के मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सरकार शांति लाने के नाम पर बाहरी लोगों को शामिल करके अपनी नीतियों से समझौता नहीं करेगी।

पिछले हफ्ते गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में थाडौ जनजाति ने एनआरसी और राज्य के मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के प्रति समर्थन जताया था। थाडौ कुकी समुदाय में सबसे बड़ी जनजाति है। हालांकि, हालिया सम्मेलन के दौरान समुदाय ने जोर देकर कहा, थाडौ लोगों का एक विशिष्ट जातीय समूह है, जिसकी अपनी अलग भाषा, संस्कृति, परंपराएं और महान इतिहास है। थाडौ समुदाय न तो कुकी है, न ही कुकी के अधीन है और न ही कुकी का हिस्सा है। यह कुकी से अलग एक स्वतंत्र समुदाय है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़ी प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुख्यमंत्री कोचिंग योजना की शुरुआत के अवसर पर सिंह ने कहा, शांति जरूर बहाल होगी। थाडौ राज्य की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। थाडौ सम्मेलन में एनआरसी और मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के लिए समर्थन जताए जाने के बाद राज्य के कई नागरिक समाज संगठनों ने इस रुख का स्वागत और सराहना की है।

सुविचार

कुछ लोगों को ऊँचाई पर पहुंचने की इतनी जल्दी होती है की छोटे लोगों के हाथ पकड़ने की बजाय बड़े लोगों के पाँव पकड़ना पसंद करते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पिछली 'गलतियों' से सीखेंगे ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर जीत दर्ज कर अपने विरोधियों के सारे दावों को धराशायी कर दिया। ट्रंप जनवरी 2017 से जनवरी 2021 तक राष्ट्रपति रहे हैं। उन्होंने उस कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद अपने भाषण में इच्छा जताई थी कि वे दूसरी बार भी राष्ट्रपति निर्वाचित हों। उनका पिछला कार्यकाल जिस तरह विवादों में रहा और कोरोना महामारी में कुप्रबंधन के आरोप लगे, उससे उनकी लोकप्रियता पर काफी असर पड़ा था। उसका फायदा जो बाइडन को मिला था, जो राष्ट्रपति तो बने, लेकिन उनके प्रदर्शन ने अमेरिका को कई मोर्चों पर निराश ही किया। बाइडन रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने में नाकाम रहे। उनके सत्ता में रहते ईरान के हौसले बुलंद हुए, जिसने हमास, हिज्बुल्लाह जैसे उग्रवादी संगठनों को इतना मजबूत कर दिया कि वे इजराइल पर सीधा धावा बोलने लगे। इस यहूदी राष्ट्र पर मिसाइलों की भारी बौछार हुई थी। वह लड़ाई अब तक जारी है। डोनाल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी परीक्षा तो इन दोनों मोर्चों पर होगी। यूक्रेन को जो बाइडन और उनकी मंडली से आश्वासन तो खूब मिले थे, जबकि धरातल पर स्थिति बिल्कुल अलग थी। इस देश को जन-धन का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को डोनाल्ड ट्रंप से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने अपने बधाई संदेश में भी समर्थन की अपील कर दी। जेलेंस्की जानते हैं कि अब युद्ध को लंबा खींचना बहुत ज्यादा महंगा पड़ेगा। यूक्रेन की जनता इस स्थिति में नहीं है कि वह और जनहानि बर्दाश्त कर सके। रूस के तेवर आक्रामक जरूर हैं, लेकिन जनता वहां भी परेशान है। ऐसे में 'युद्धविराम' और 'शांति समझौता' जैसे विकल्प ही बाकी रह जाते हैं। अगर ट्रंप ईमानदारी से कोशिश करेंगे तो इन दोनों देशों को 'राहत' मिलने का कोई रास्ता निकाल सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के साथ छत्तीस का आंकड़ा रहा है। मतगणना के रुझानों में उनकी बढ़त के संकेत मिलते ही ईरानी मुद्रा रियाल में गिरावट आने लगी थी। उनके द्वारा ईरान पर नए प्रतिबंधों की घोषणा किए जाने के कयास अकारण ही नहीं लगाए जा रहे हैं। उन्होंने साल 2018 में जिस तरह एकतरफा ढंग से समझौते से अलग होने का फैसला किया और ईरान के शीर्ष वैज्ञानिकों-सैन्य अधिकारियों पर हमले हुए, उससे दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया था। अगर ट्रंप के शपथग्रहण के बाद अमेरिका-ईरान के रिश्तों में तल्खी कम हो जाए तो यह बहुत बड़ा 'चमत्कार' माना जाएगा, जिसकी संभावना कम ही नजर आती है। ट्रंप इजराइल के साथ खुलकर एकजुटता जताते हैं। उनकी जीत की खबर आते ही इजराइल में लोग जश्न मनाने लगे। उन्हें पूरी उम्मीद है कि जारी लड़ाई में ट्रंप उनके देश के साथ मजबूती से खड़े होंगे। ट्रंप इस बात को लेकर दबाव डाल सकते हैं कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को रिहा किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप को अपनी पिछली 'गलतियों' से भी सीखना होगा। कोरोना महामारी ने उनकी खूब किरकिरी कराई थी। अमेरिका की एजेंसियां, जिनका फिल्मों में बहुत ज्यादा महिमा-मंडन किया जाता है, समय रहते 'खतरा' भांपने में विफल रही थीं। वहीं, महामारी से निपटने के प्रयासों में ढेरों खामियां नजर आई थीं। उस दौरान चीन, जहां से कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फैला, की उद्दंडता बढ़ी। अब ड्रैगन की मनमानी को नियंत्रित करना जरूरी है। ट्रंप एक ओर तो आतंकवाद को समूल नष्ट करने की बातें करते रहे, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान को नकेल डालने की इच्छाशक्ति नहीं दिखा सके। अगर आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करनी है तो पाक पर आर्थिक प्रतिबंधों समेत कई तरह की पाबंदियां लगानी होंगी। ट्रंप से उम्मीद है कि वे भारत के साथ सहयोग बढ़ाएंगे। दोनों देशों के बीच शिक्षा, व्यापार, रोजगार, पर्यटन समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ना चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए वीजा नियमों में भी आसानी होनी चाहिए।

सामयिक

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40प्रतिशत की कमी को दर्शाया गया है।

स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 157 की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60 प्रतिशत बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम

ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। थक्ज दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए स्क्रीन-फ्री डेज़ शुरू किए हैं।

स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है। सीमाएँ निर्धारित करना अल्पावधि में कठिन लग सकता है लेकिन दीर्घावधि में यह बहुत लाभदायक होगा।

चिंतन

मोबाइल की रंगीन दुनिया में गुम होती किलकारियां

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

देश और दुनिया में शिशु सुरक्षा दिवस सात नवंबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य जन साधारण में शिशुओं की सुरक्षा से संबंधित जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल कर उनके जीवन की रक्षा करना है। आजकल अक्सर देखा जाता है हम शिशुओं की देखभाल में उदासीनता बरत रहे है। भारत की बात करें तो वह भी एक समय था जब शिशु की देखभाल में हम चौबीसों घंटे सतर्क और जागरूक रहते थे। शिशु की हर इच्छा को हम पहचान लेते थे।

शिशु के किलकारी मारने अथवा रोने की आवाज सुनते ही परिवार का हर सदस्य उसे बांहों में उठाकर गले लगा लेने के लिए बेचैन हो उठता था। माता स्तनपान करा उसे चुप्प कराती थी। मगर अब बदलते दौर में माता शिशुओं के रोते ही उसे चुप्प कराने के लिए उसके हाथ में मोबाइल थमा देती है। यह अंतर है हमारी पुरानी और नई लाइफ स्टाइल का।आज देश और दुनिया प्रगति और विकास के नए सोपान स्थापित कर रही है। मगर देखा जा रहा है हम शिशुओं को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सफल नहीं हो रहे है। युवा पीढ़ी जहाँ शिशु को मां के दूध से वंचित रख रही है वहां स्मार्ट फोन बच्चों को थमा कर उनके भविष्य और सेहत से खिलवाड़ कर रही है। अक्सर देखा गया है अभिभावक जब किसी पार्टी या अन्य कार्य में व्यस्त होते है तो बच्चों को स्मार्ट फोन थमा देते है। बच्चे बोल नहीं पाते मगर मोबाइल की रंगीन दुनियां में डूब जाते है जो उनकी सेहत के लिए बेहद ख़तरनाक है। इसके अलावा टीवी स्क्रीन से भी शिशुओं को दूर रखना होगा। यह समय शिशुओं के किलकारियों का है, ऐसे में शिशु सुरक्षा के लिए बेहद जरुरी है की इस प्रकार के कृत्य से बचे। इस दिन को मनाने का उद्देश्य शिशुओं की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल करके उनके जीवन की रक्षा करना है। स्वास्थ्य संबंधी देखभाल ना होने के कारण यह समस्या और भी विकराल होती जा रही है। भारत में इस संदर्भ में कई कार्यक्रमों और योजनाओं को जनहित में लागू करके शिशुओं की मृत्यु दर को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए है। लेकिन जनसंख्या के बढ़ते बोझ व बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में अपेक्षित कमी नहीं आई है।

भारत में हर साल लाखों बच्चे ऐसी बीमारियों के चलते मौत के मुंह में जा रहे हैं, जो निदान योग्य हैं यानी जिनका इलाज मुमकिन है। हमारे देश में सरकारें नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुरक्षा दे पाने में नाकामयाब और लापरवाह साबित हो रही हैं। नये भारत के निर्माण का सपना हमारा खंडित होता है। देश और समाज की प्रगति, खुशहाली और विकास उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो इसका संबंध शिशुओं और माताओं से सबसे पहले होता है।

जिस समाज में प्रतिवर्ष लाखों नवजात शिशु अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं उसे हम खुशहाल समाज कैसे कहेंगे, यह प्रत्येक देशवासी के लिए चिंतन और मंथन का विषय है। इसे केवल चर्चा, बयान और जाँच के नाम पर नहीं नकारा जा सकता। सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और तथा एनआरएचएम कार्यक्रम के तहत इस दिशा में सशक्त पहल जरूर की है जिसमें यूनीसेफ भी सहयोगी की भूमिका में है लेकिन इस प्रयास में जितने आर्थिक संसाधनों की दरकार है वे पर्याप्त नहीं है इसके लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यूनीसेफ का कहना है कि शिशुओं की अकाल मौत के ज्यादातर मामले निम्न आय वर्ग के परिवारों में होते हैं जहां कुपोषण, शारीरिक दोष और मलिन वातावरण की समस्या बच्चे के जन्म से पहले ही मौजूद रहती है। ऐसे में अकेले सरकार के लिए इन स्थितियों को सुधारना मुमकिन नहीं है, इसके लिए समाज के हर जिम्मेदार व्यक्ति को सहयोगी की भूमिका में आना होगा।

बच्चे के लिए मां का दूध अमृत के समान है लेकिन स्तनपान ना कराने से बच्चे बीमार जल्दी हो जाते हैं, जिसके कारण नवजात शिशु में असमय काल के गाल में समा जाते हैं सही पोषण के अभाव में भी बच्चे दम तोड़ देते हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में प्रशिक्षित दाइयो के अभाव के कारण भी कई प्रकार की समस्याएं जन्म ले लेती है। नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य माता के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है इसलिए माँ को गर्भावस्था पूर्व से अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं के शरीर में में खून की होती है, जिसके लिए गर्भावस्था पूर्व से ही उन्हें आयरन फॉलिक एसिड की गोली का सेवन करना चाहिए.।

इसके साथ ही इस दौरान उन्हें आयरन युक्त आहार के सेवन को प्राथमिकता देनी चाहिए। गर्भावस्था के बाद प्रसव पूर्व जांच, टेटनस टीका भी गर्भवती महिला को लेना जरूरी होता है। प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जन्म के 1 घंटे के भीतर स्तनपान, 6 माह तक केवल स्तनपान, कंगारू मदर केयर, शिशुओं के निमोनिया जांच एवं टीका उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

नजरिया

योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पाये

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम देखभाल की कमी को पूरा करें' है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका

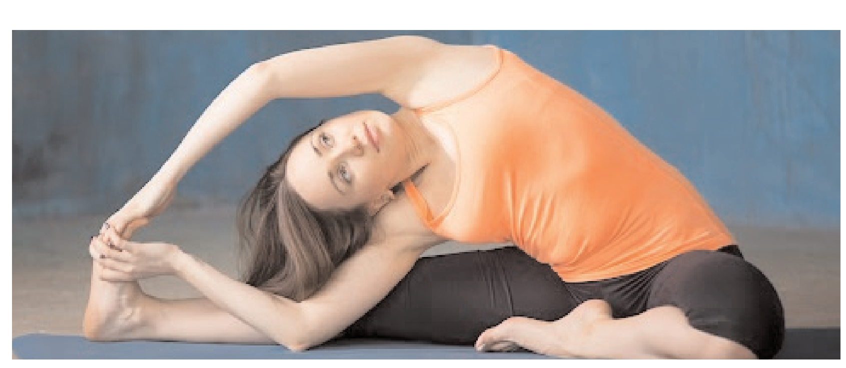

इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है।

इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। योग तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायक है। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

रामगढ़ विधानसभा के गोविंदगढ़ क्षेत्र में भाजपा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया और सभी क्षेत्रवासियों से आगामी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्री सुखवंत सिंह जी को भरपूर समर्थन देने एवं भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने के लिए आह्वान किया।

-दीया कुमारी

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन के साथ संसदीय क्षेत्र के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। मुझे खुशी है कि वन भूमि प्रत्यावर्तन व आवश्यक स्वीकृतियों के उपरान्त अब जमीनी स्तर पर विकास कार्य प्रारंभ करने का चरण आ गया है।

-ओम बिरला

प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना से निर्मित युवाओं को सुनिश्चित उच्च शिक्षा की गारंटी देने वाली पीएम विद्यालक्ष्मी योजना आज केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृत हो गई। आर्थिक परेशानी अब उच्च शिक्षा के समक्ष बाधा नहीं बनेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मानवता की रक्षा

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा कर लिया था। डेनमार्क के यहूदी नागरिकों को गिरफ्तार करने और यातना शिविरों में भेजने की योजना बनाई जा रही थी। उस समय डेनमार्क के राजा क्रिश्चियन दसवें ने एक अभूतपूर्व कदम उठाया। उन्होंने घोषणा की कि वे स्वयं पीले रंग का सितारा अपने कोट पर पहनेंगे, जो कि यहूदियों की पहचान का प्रतीक था। राजा क्रिश्चियन दसवें ने कहा, 'हम सभी डेनिश नागरिक हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव नहीं है।' राजा के इस साहसिक कदम से प्रेरित होकर डेनमार्क के हजारों नागरिकों ने भी अपने कपड़ों पर पीले सितारे लगा लिए। इससे नाजी सैनिकों के लिए यह पहचानना असंभव हो गया कि कौन यहूदी है और कौन नहीं। इस दौरान डेनमार्क के मछुआरों और नाविकों ने अपनी छोटी-छोटी नौकाओं में यहूदी परिवारों को छिपाकर रात के अंधेरे में स्वीडन की ओर ले जाना शुरू कर दिया। इस पूरे अभियान में डेनमार्क के चर्च, विश्वविद्यालय और यहां तक कि पुलिस-प्रशासन ने भी सहयोग दिया। उन्होंने यहूदी परिवारों को छिपाने, उन्हें भोजन और आश्रय देने में भरपूर मदद की।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स

न्यूयॉर्क/भाषा

डोनाल्ड ट्रंप एक व्यवसायी, रियल एस्टेट कारोबारी और रियलिटी टीवी स्टार होने से लेकर देश के इतिहास में पहले ऐसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें अपराधी घोषित किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान दो प्राणघातक हमलों से बचने के बाद भी ट्रंप (78) मैदान में मजबूती से डटे रहे और अब अमेरिकी मतदाताओं ने उन्हें दूसरा कार्यकाल दिया है। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ-साथ कमला हैरिस के कई समर्थकों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' में पहली महिला राष्ट्रपति होने का सपना देखते थे।

वह अब अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स हैं। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पद छोड़ने से लेकर 2024 की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन तक, ट्रंप निरंतर समाचार पत्रों की सुर्खियों और अमेरिकियों के दिमाग पर हावी रहे। उन्होंने नवंबर 2020 के चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था लेकिन उस समय जो बाइडन राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। एक स्तब्ध राष्ट्र ने ट्रंप के समर्थकों को छह जनवरी को ''कैपिटल'' (संसद भवन) पर धावा बोलते भी देखा। दंगों, उपद्रव ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को बाधित कर दिया, जहां राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी थी। वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए तीसरी बार मुकाबले में उतरने के साथ वह कई अभियोगों और आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे तथा न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया। इस तरह वह किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। ग्रैंड जूरी ने उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में भी दोषी पाया। उस समय बाइडन-हैरिस की प्रचार टीम ने कहा था कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, जबकि ट्रंप ने इस फैसले को राजनीतिक व्यवस्था में ''धांधली'' का नतीजा बताया। फिर भी, इनमें से कोई भी बात उनके उत्साही समर्थकों को नहीं रोक सकी, जो उनके और उनकी नीतियों के समर्थन में मजबूती से डटे रहे।

जुलाई में मिल्वौकी में ट्रंप के लिए यह प्रबल समर्थन पूरी तरह से देखने को मिला, जब हत्या के प्रयास की घटना में बच जाने के बाद उनके कान पर पट्टी बंधी हुई थी, तथा वे लगातार तीसरे चुनाव के लिए राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी के नामांकन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने को लेकर रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे। पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की चुनावी रैली में एक हमलावर द्वारा कई गोलियां चलाए जाने के कारण उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में गोली लग गई थी।

14 जून, 1946 को क्वींस, न्यूयॉर्क में मैरी और फ्रेड ट्रंप के घर पैदा हुए ट्रंप एक सफल रियल एस्टेट डेवलपर हैं। डोनाल्ड ट्रंप पांच भाई बहनों में से चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 1968 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के 'व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड कॉमर्स' से वित्त में डिग्री हासिल की। वर्ष 1971 में अपने पिता की कंपनी को संभालने के बाद, उन्होंने इसका नाम बदलकर ट्रंप ऑर्गनाइजेशन रख दिया और जल्द ही होटल, रिसॉर्ट, आवासीय और वाणिज्यिक भवन, कैसीनो और गोल्फ कोर्स जैसी परियोजनाओं तक कारोबार का विस्तार किया। ट्रंप ने 2004 में 'द अप्रेंटिस' के साथ रियलिटी टीवी में भी हाथ आजमाया, जिसने उन्हें अमेरिका में घर-घर में मशहूर कर दिया।

कमला हैरिस : अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने से चूकीं

वाशिंगटन/भाषा। एक दशक से भी ज्यादा समय पहले एक पत्रकार ने कमला हैरिस को महिला ओबामा कहा था। हालांकि, भारतीय और जमैका के अप्रवासी दंपति की बेटी कमला हैरिस पहले अफ्रीकी-अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की उपलब्धियों की बराबरी करने में विफल रहीं।

हैरिस अमेरिकी राजनीति में शीर्ष मुकाम हासिल करने में असफल रहीं और राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से हार गईं।

डेमोक्रेटिक नेता की ट्रंप के हाथों कड़े मुकाबले वाले चुनाव में हार ने अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने के उनके सपने को भी तोड़ दिया। उनके नामांकन से हालांकि महिलाओं में उत्साह पैदा हुआ कि सार्वजनिक जीवन में उनके लिए यह द्वार बंद नहीं हुआ है।

हैरिस (60) के नाम कई अन्य 'पहली' उपलब्धियां भी दर्ज हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी रह चुकी हैं - इस पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला, पहली अफ्रीकी-अमेरिकी और पहली भारतीय मूल की शख्स थीं।

उपराष्ट्रपति के रूप में, वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। साथ ही, वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी या भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति भी हैं।

पांच नवंबर के चुनाव से तीन दिन पहले प्रकाशित एक लेख में हैरिस ने बचपन में की गई अपनी भारत यात्रा को याद किया और अपनी दिवंगत मां श्यामला गोपालन को याद किया, जो एक कैंसर शोधकर्ता और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता थीं।

हैरिस ने ऑनलाइन दक्षिण एशियाई प्रकाशन 'द जुगरनॉट' के लिए लिखे लेख में कहा, बड़े होने के दौरान, मेरी मां ने मुझे और मेरी बहन को हमारी विरासत का सम्मान करना सिखाया। लगभग हर दूसरे साल हम दिवाली के लिए भारत जाते थे। हम अपने दादा-दादी, चाचाओं और अपनी 'चिट्टियों' (चाचियों) के साथ समय बिताते थे। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकी एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो सभी अमेरिकी लोगों के लिए काम करे।

प्रचार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बुधवार को सतारा में कराड-उत्तर भाजपा उम्मीदवार मनोज घोरपड़े के समर्थन में प्रचार के दौरान।

नवविवाहितों के लिए पसंदीदा 'हनीमून' गंतव्य बना थाइलैंड

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नवविवाहितों के लिए पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय हनीमून गंतव्य थाइलैंड बन गया है। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि थाइलैंड ने मालदीव को पछाड़ दिया है। यह रिपोर्ट पिछले साल अक्टूबर से इस साल सितंबर के बीच दर्ज किए गए हनीमून पैकेज पर आधारित है। यात्रा मंच ने बयान में कहा कि मालदीव में हनीमून पैकेज बुकिंग में सालाना 16.2 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि अन्य सभी शीर्ष प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों - इंडोनेशिया, मॉरीशस और वियतनाम की इस साल हिस्सेदारी बढ़ी है।

मेकमाईट्रिप की 'हाउ इंडिया ट्रैवल्स फॉर हनीमून' अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक के बुकिंग डेटा का विश्लेषण करती है। इसकी तुलना पिछले वर्ष की इसी अवधि से की गई है।

पिछले साल रैंकिंग में सबसे ऊपर रहे मालदीव को इस साल थाइलैंड ने पछाड़ दिया है। थाईलैंड की बुकिंग हिस्सेदारी में सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो मालदीव से आगे निकल गया है। घरेलू स्तर पर, अंडमान ने सबसे ज्यादा बुक किए जाने वाले हनीमून गंतव्य के रूप में केरल को पीछे छोड़ दिया है। अंडमान के लिए हनीमून पैकेज बुकिंग सालाना आधार पर 6.9 प्रतिशत बढ़ी है। कश्मीर में बुकिंग में 3.6 प्रतिशत बढ़ी है और यह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। गोवा के लिए बुकिंग की संख्या पिछले वर्ष के समान ही रही, जबकि हिमाचल प्रदेश में हनीमून पैकेज बुकिंग में चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

खरीददारी

बुधवार को कोलकाता के एक बाजार में छठ पूजा उत्सव की तैयारी में फल खरीदती एक महिला।

तृप्ति डिमरी की सबसे बहुमुखी भूमिकाएं जो साबित करती हैं कि वे किरदारों की दुनिया में सबसे अलग हैं

मुंबई/एजेन्सी

तृप्ति डिमरी बहुत जल्दी बॉलीवुड की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं, जिन्हें कभी-कभी भावनात्मक गहराई की मांग करने वाली भूमिकाओं में कदम रखने के लिए जाना जाता है, तो कभी कॉमिक टाइमिंग और अक्सर उल्लेखनीय अनुकूलनशीलता के लिए। जटिल नाटकों से लेकर हॉरर कॉमेडी तक, उन्होंने आसानी से विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाया है, जिससे हर किरदार यादगार बन गया है। यहाँ तृप्ति की फ़िल्मोग्राफी पर एक नज़र डालें जो अलग-अलग भूमिकाओं में सहजता से ढलने की उनकी प्रतिभा को दर्शाती है:

भूल भुलैया 3 - मीरा

'भूल भुलैया 3' में तृप्ति डिमरी ने एक और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया। मीरा के रूप में, उन्होंने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी रेंज दिखाई, जिससे दिलचस्प कथानक में गहराई आई। कॉमिक से लेकर गंभीर जटिलताओं तक, तृप्ति ने सहजता से उस भूमिका को निभाया जिसने न केवल दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा बल्कि उन्हें पूर्णता प्रदान करने की उनकी क्षमता के बारे में भी बताया।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो - विद्या

विद्या के रूप में त्रिप्ति अपनी भूमिका में जीवंत ऊर्जा और प्रामाणिकता लाती हैं, अपने अभिव्यंजक आकर्षण और हास्य और भावना के बीच सहज बदलाव से दर्शकों को आकर्षित करती हैं। त्रिप्ति ने विद्या को सहजता से आकर्षक और यादगार बना दिया है, एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी की सबसे होनहार प्रतिभाओं में से एक क्यों हैं।

बैड न्यूज़ - सलोनी बग्गा

'बैड न्यूज़' में त्रिप्ति डिमरी ने अपनी बेहतरीन कॉमेडी टाइमिंग का प्रदर्शन किया है, जो एक ताज़ा, जीवंत गतिशीलता जोड़ती है। त्रिप्ति का चित्रण ऊर्जावान सहजता के साथ सूक्ष्म भावों का मिश्रण था, जो एक ऐसी कॉमेडी में योगदान देता है जो मनोरंजक और दिल को छू लेने वाली दोनों है।

एनिमल - ज़ोया रियाज़

'एनिमल' में ज़ोया रियाज़ के रूप में त्रिप्ति ने अपराध और नैतिक जटिलता की दुनिया में कदम रखा। इस फ़िल्म ने उन्हें रातोंरात सनसनी और राष्ट्रीय क्रश बना दिया। इस हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा में ज़ोया के आंतरिक उथल-पुथल और लचीलेपन को त्रिप्ति ने परिपक्वता और कुशलता के साथ चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने की अपनी क्षमता को साबित किया।

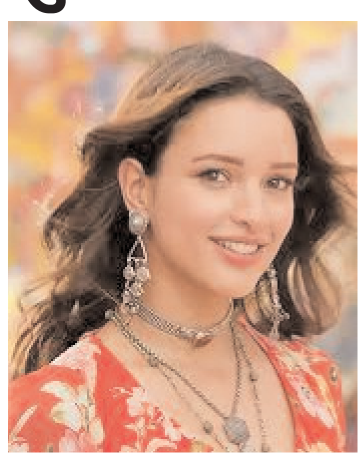

क़ला क़ला मंजुश्री

'क़ला' में त्रिप्ति ने क़ला मंजुश्री की मुख्य भूमिका निभाई, जो एक परेशान युवती है जो अपनी माँ के साथ जटिल रिश्ते और अपने स्वयं के आंतरिक संघर्षों से जूझ रही है। यह किरदार कमज़ोरी, दर्द और कलात्मक आकांक्षाओं से भरा हुआ था, और त्रिप्ति ने इन सभी पहलुओं को बहुत ही स्पष्टता के साथ जीवंत किया। उनके अभिनय ने किरदार के आघात और अलगाव को खूबसूरती से दर्शाया, जिससे 'क़ला' उनकी अब तक की सबसे प्रसिद्ध प्रस्तुतियों में से एक बन गई।

बुलबुल बुलबुल

'बुलबुल' में त्रिप्ति ने एक ऐसी महिला का रूप धारण किया जो एक चौड़ी आँखों वाली दुल्हन से एक रहस्यमय अतीत वाली शक्तिशाली लेकिन रहस्यमयी शख्सियत में बदल जाती है। उनके किरदार में खूबसूरती, दर्द और एक अजीब ताकत थी, जो अलौकिक और ऐतिहासिक नाटकों जैसी अनूठी शैलियों को अपनाने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

लैला मजनू - लैला

'लैला मजनू' में त्रिप्ति की सफल भूमिका ने उन्हें लैला के रूप में पेश किया, जो एक स्वतंत्र विचारों वाली युवती है जो एक दुखद प्रेम कहानी के भंवर में फंसी हुई है। इस भूमिका ने त्रिप्ति को सुर्खियों में ला दिया, जहाँ उन्होंने कच्ची भावना और केमिस्ट्री को चित्रित करने की एक सहज क्षमता दिखाई।

उर्वशी रौतेला ने दिखाया अपना फ्रेंच बोलने का हुनर

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अपनी फ्रेंच बोलने की कला का प्रदर्शन कर प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह फ्रेंच में बात करती दिख रही हैं। क्लिप के साथ उन्होंने लिखा, मेरी फ्रेंच बोलने की कला। जब आपको फ्रांस से इतना प्यार मिलता है, तो उनकी भाषा को अपनाना ही सही लगता है। फ्रेंच में एक नए सफर की प्रेरणा के लिए धन्यवाद।''

अभिनेत्री ने शॉर्ट कस्टम-मेड चमकीला आउटफिट पहना हुआ है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल बेहद शानदार लग रहा है। मिस दिवा-मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का खिताब जीतने के बाद प्रसिद्धि पाने वाली उर्वशी रौतेला के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। वह नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के साथ 'एनबीके 109', कमल हासन और शंकर के साथ 'इंडियन 2', और आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ 'कसूर' में नजर आएंगी। इसके अलावा, उर्वशी अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3' और रणदीप हुड्डा के साथ 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आएंगी। वह सनी देओल और संजय दत्त के साथ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'द एक्सपेंडेबल्स' के रीमेक 'बाप' में भी अभिनय कर रही हैं। 'सनम रे अभिनेत्री' एक आगामी बायोपिक में परवीन बॉबी का किरदार भी निभाएंगी। अपनी फिल्मी सफर के अलावा उर्वशी एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत वीडियो में भी नजर आएंगी। रौतेला ने 2013 में 'सिंह साहब द ग्रेट' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और उसके बाद से 'सनम रे', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती', 'हेट स्टोरी 4' और 'पागलपंती' सहित कई लोकप्रिय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो जैसे 'लव डोज' और 'गल बन गई' में अपनी मौजूदगी से फैंस का दिल जीत लिया। इस जोड़ी ने लव डोज के सीक्वल गाने के लिए फिर से साथ काम किया। उन्होंने 2014 में 'मिस्टर ऐरावत' के साथ कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और 2022 में 'द लीजेंड' के साथ तमिल सिनेमा में शुरुआत की।

शेखर कपूर फरवरी 2025 में 'मासूम : द नेक्सट जेनरेशन' की शूटिंग शुरू करेंगे

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध फिल्ममेकर शेखर कपूर अपनी पसंदीदा क्लासिक मासूम में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए तैयार हैं, जिसके आगामी सीक्वल का नाम कथित तौर पर मासूम: द नेक्सट जेनरेशन रखा गया है। इंडस्ट्री इनसाइडर के अनुसार, इसकी शूटिंग फरवरी 2025 में शुरू होने की उम्मीद है, और इस खबर ने ओरिजिनल फिल्म जो 1983 में रिलीज़ हुई थी उनके के फैंस के बीच उत्साह जगा दिया है, जिसे इसकी बेहतरीन कहानी और सशक्त प्रदर्शन के लिए सराहा गया था। ओरिजिनल मासूम, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी और एक युवा जुगल हंसराज ने अभिनय किया था, उसने अपने भावनात्मक रूप से अपने स्टोरीटेलिंग प्लॉट और फैमिली डायनामिक्स की खोज से दर्शकों को अपनी दुनिया में बांध लिया था। कपूर के टाइमलेस निर्देशन ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और फैंस लंबे समय से सीक्वल की संभावना के बारे में अनुमान लगा रहे हैं। हालाँकि, नई कास्ट और स्टोरीलाइन की जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कहानी मॉडर्न डे यानी आज के समय के पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी, जिसे नई पीढ़ी की नज़र से देखा जाएगा।

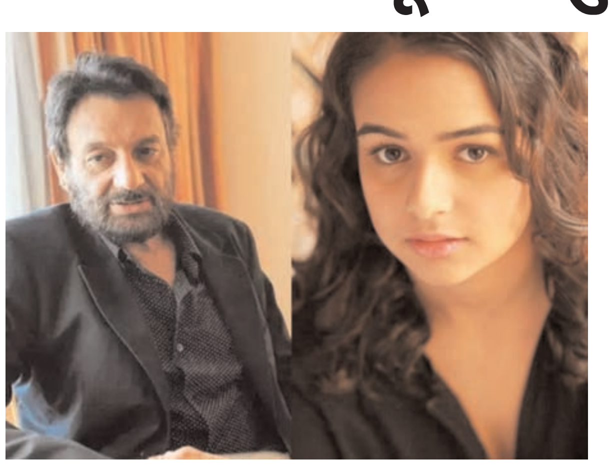

मासूम को फिर से बनाने के फ़ैसले ने इंडस्ट्री में काफ़ी चर्चा पैदा की है, कपूर कथित तौर पर आज के दर्शकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए फ़िल्म की थीम को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मासूम की फिर से कल्पना करना ओरिजिनल की विरासत के लिए एक ट्रिब्यूट और आजे के समय के सामाजिक मुद्दों की खोज दोनों हो सकती है, जो एक पुराने लेकिन ताज़ा सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। कपूर की टीम आगे के डिटेल्स पर चुप्पी साधे हुए है, वहीं, फैंस और क्रिटिक कास्टिंग, कहानी और रिलीज़ की तारीख पर आधिकारिक पुष्टि का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं क्योंकि मासूम: द नेक्स्ट जेनरेशन फ्लोर्स पर जाने के लिए तैयार है।

'सुधा मेरे घर ताजी हवा का झोंका थी'

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर जारी 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन पर भी दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं। इस सीजन के अब तक 7 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं। अब शो का नया प्रोमो वीडियो सामने आ गया है। बता दें 8वें एपिसोड में दिग्गज बिजनेस आइकॉन नारायण मूर्ति व उनकी पत्नी सुधा मूर्ति तथा दीपिंदर गोयल और उनकी पत्नी जिया गोयल नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया ने प्रोमो साझा करते हुए लिखा, इस फनीवार बिजनेस आइकॉन को उनके अलग अवतार में देखने के लिए तैयार हो जाइए। इस एपिसोड को आप 9 नवंबर रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। नारायण मूर्ति इंफोसिस के 7 सह-संस्थापकों में से एक हैं। दीपिंदर जोमैटो के उएज हैं। कपिल ने नारायण मूर्ति से पूछा कि जब उन्होंने पहली बार सुधा को देखा था तो उनका कैसा रिएक्शन था।

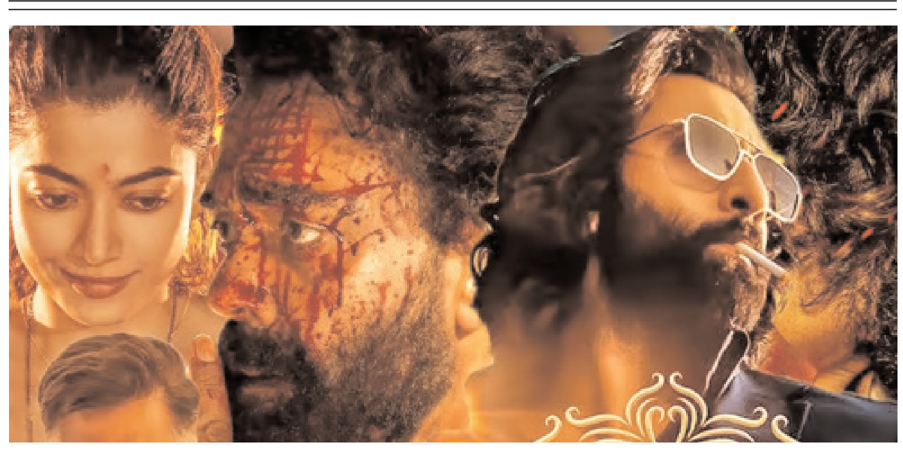

'एनिमल' के सीक्वल की तैयारी में हैं भूषण कुमार

मुंबई/एजेन्सी

निर्माता संदीप रेड्डी वांगा की पिछले साल आई फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी जैसे सितारों से सजी मूवी ने देश-विदेश में जमकर कमाई की। इसकी सफलता के बाद से प्रशंसक इसके सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टी सीरीज के प्रमुख और 'एनिमल' प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने इसके बारे में खुलकर बात की।

भूषण ने बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए कहा कि संदीप फिलहाल उनके डायरेक्शन में बनी रही 'स्पिरिट' मूवी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक बार जब वे प्रभास के साथ अपना यह प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे, तो रणबीर की अगुवाई वाली सीक्वल का निर्माण अगले छह महीनों के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। हमारे पास छह महीने का अंतराल होगा और फिर तुरंत 'एनिमल पार्क' होगी।

इससे पहले संदीप ने संकेत दिए थे कि सीक्वल और भी अधिक गहरा और अधिक तीव्र स्वर अपना सकता है। उल्लेखनीय है कि 'एनिमल' में रणबीर की इंटेंस परफॉर्मेंस ने लोगों को दीवाना बना दिया था। रणबीर ने 'रणविजय सिंह' का रोल प्ले किया था। 'एनिमल' 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

ज्ञान धन से बढ़कर कोई धन नहीं : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ज्ञान सोई हुई आत्मशक्ति को जगाता है। ज्ञान धन से बढ़कर कोई धन नहीं है। ज्ञान ही हमें सिद्ध गति में पहुंचाता है। ये विचार एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने व्यक्त किए। वे बुधवार को ज्ञान पंचमी के अवसर पर हुई सरस्वती आराधना के मौके पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। सरस्वती आराधना में बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा ज्ञान का प्रकाश और अज्ञान व मोह का त्याग हमारे एकांत सुख को देने वाले हैं। ज्ञान पंचमी जैन परम्परा में विशेष रूप से ज्ञान आराधना के लिए नियत तिथि है। इसके कई महत्वपूर्ण कारण है। जैन आगमों में ज्ञान के पांच भेद कहे गए। भव्य आत्मा वही होती है जिसका लक्ष्य पंचम ज्ञान को प्राप्त करना है। यह प्रत्येक भव्य आत्मा का लक्ष्य होता है और उसी लक्ष्य के लिए यह आराधना की जाती है। आज के दिन जिसने तप का संकल्प बनाया है, वह निश्चित रूप से इसकी विधि संपन्न करते हैं। इस साधना में भक्तामर स्तोत्र के दो श्लोकों का पाठ हमने किया है। ये स्तोत्र भीतर में रहे हुए अज्ञान को परमात्मा के सामने प्रकट करते हैं। उनसे ज्ञान की रश्मि प्राप्त करने का यह प्रयास है। परमात्मा की यह भक्ति भीतर के ज्ञान के चंद्र को उद्घाटित करने वाली है।

उन्होंने कहा परमात्मा सर्वदर्शी है जिन्होंने अज्ञान का नाश कर पूर्ण ज्ञान प्रकट किया। हमारा ज्ञान अज्ञान से आवृत्त होते रहता है। परमात्मा के जैसा ज्ञान हमारे भीतर भी प्रकट हो, ऐसी आराधना की। परमात्मा का ज्ञान, उनकी प्रज्ञा सभी को अपने वैभव से संपन्न करने वाली है, ऐसा स्तवन हमने किया। आज जो ज्ञान आराधना का भाव लेकर आप उपस्थित हुए हैं, उसके प्रति उत्कृष्ट आस्था, श्रद्धा का अभिनंदन। उन्होंने कहा जो हमारे यहां सरस्वती का स्पष्ट रूप है, आज हमने उसकी आराधना की। वह सरस्वती, जो हमारे तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित है, वह जिनवाणी के रूप में है। उन्होंने कहा हो सकता है जिस रूप में आपने सरस्वती की आराधना की, वह मिथ्यात्व का रूप है। लेकिन आगमों में उसका स्पष्ट रूप वर्णित कर पूर्वाचार्य ने बताई। वह श्रुत देवता, वह जिनवाणी गुरु मुख पर विराजने वाली हंसिनी है। ऐसी सरस्वती की आराधना का मतलब है भक्ति। आज हमारे द्वारा सरस्वती की जाने- अनजाने बहुत विराधना हो रही है। हमें ज्ञान से ज्यादा मनोरंजन अच्छा लगने लगा है।इसके कारण ज्ञानावरणीय कर्मबंध हो रहे हैं।

उन्होंने कहा जो आत्मा के स्वरूप को प्रकट करने वाला है, वह श्रेष्ठ ज्ञान है। ज्ञान और ज्ञानी के प्रति सम्मान रखें। उनका कभी तिरस्कार न हो। हम सभी ज्ञान का सम्मान करते हुए जीवन में ज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। इस दौरान युवाचार्यश्री ने उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी आदि ठाणा के आगामी 2025 के जयनगर बैंगलुरु चातुर्मास की घोषणा की। जयनगर बेंगलूरु से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ, वंदनार्थ व चातुर्मास की विनंती लेकर उपस्थित हुए। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि गुरुवार को खद्दरधारी गणेशीलालजी महाराज की जन्म जयंती एकासन व दया दिवस के रूप में मनाई जाएगी। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने बताया कि आगामी 10 नवंबर को मध्याह्न 2.15 से 4 बजे कृतज्ञता ज्ञापन दिवस मनाया जाएगा। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

एसपीआर इंडिया ने उद्योग नवाचारों के साथ अपने व्यावसायिक सहयोगियों को सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रियल स्टेट उद्योग जगत में पूरे तमिलनाडु में अग्रणी नाम एसपीआर इंडिया ने अपने व्यावसायिक सहयोगियों, चैनल पार्टनर्स को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। एसपीआर इंडिया के बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी ने अपने कार्यों में नवाचारों हेतु अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए इसे एसोसिएट्स मीट का नाम दिया। इस कार्यक्रम में एसपीआर इंडिया के व्यावसायिक सहयोगी, चैनल पार्टनर्स चेन्नई के अलावा अनेक शहरों से पहुंच कर कार्यक्रम में भाग लिया तथा एसपीआर इंडिया द्वारा किए जा रहे कार्यों को बड़ी एलईडी स्क्रीन पर देखा एवम समझा।

एसपीआर इंडिया के सीसीओ पंकज ओझा ने एसपीआर इंडिया द्वारा चलाई जा रही विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। उन्होंने बताया कि सन 2019 से लेकर अब तक करीबन 142 करोड रुपए विभिन्न एसोसिएट्स/चैनल पार्टनर्स को उनके द्वारा किए गए कार्यों के बदले में दिया जा चुका है जिससे कई चैनल पार्टनर्स के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक साझेदारों की पूर्ण संतुष्टि ही उनका लक्ष्य है जिसके लिए वह लगातार कार्य कर रहे हैं क्योंकि बिना उनके सहयोग के कंपनी को यह मुकाम मिलना संभव नहीं था हमने उनके कार्यों को देखा परखा उनके सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया उन्होंने कहा की यह आयोजन एसपीआर इंडिया की एक शानदार सफलता को दर्शाता है तथा उद्योग जगत में एक नई पहल तथा नए मानक स्थापित करने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में एसपीआर इंडिया की मार्केटिंग प्रमुख मुज्ज़ामा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

'त्याग, तप, जप, मैत्री भाव बढ़ता रहे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ सभा का गुरु दर्शन यात्रा संघ ने सूरत पहुंचकर चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए व आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने कहा किसमाज में त्याग, तपस्या, जप स्वाध्याय के प्रति विशेष रुचि बढ़ती रहे तथा आपस में मैत्री भाव बढ़ता रहे। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने कहा कि ज्ञानशाला में अधिक से अधिक ज्ञानार्थी लाभ ले सके ऐसा अभिभावकों को जागरूकता रखनी चाहिए । मुख्य मुनि महावीरकुमारजी ने बेंगलूरु सभा की सराहना की। तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता अर्पित की। मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा द्वारा कृत कार्य की प्रस्तुति दी। संघ संयोजक गौतम मुथा ने संघ यात्रा की जानकारी प्रदान की। रोहित कोठारी, ललित सेठिया, दीपक बाबेल, नवनीत मुथा ने कृतज्ञता गीत का गान किया । संघ सह संयोजक दिनेश छाजेड़ ने आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में चार सौ अधिक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

'सम्यक् ज्ञान, सरस्वती की आराधना का दिवस है ज्ञान पंचमी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में ज्ञान पंचमी की आराधना के अन्तर्गत श्रुतदेवी सरस्वती माता की आराधना की गई। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा समस्त सदस्यों को ज्ञान पंचमी की शुभकामनाएं प्रदान की गई। मलयप्रभसागरजी म. सा. ने पांच प्रकार के मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनपर्यव ज्ञान और केवलज्ञान के इक्यावन भेदों के बारे में बताया और पांचों ज्ञान के पांच चैत्यवन्दन करवाए। गुरुवर् ने 'सुविहित स्वर सेना' की स्थापना की जिसका मुख्य कार्य पूजन और महापूजन पढ़वाना रहेगा।

साध्वीश्री स्वर्णांजनश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार बाती और तेल मिलकर अपने आप को जलाकर भी दूसरों को प्रकाश प्रदान करते हैं इसी तरह हमें भी तेल और बाती की भांति खुद को जिन शासन की सेवा में लगाना है। ज्ञान पंचमी एक महत्वपूर्ण दिन है, जो ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति की पूजा के लिए समर्पित है। यह दिन विद्या और बुद्धिमत्ता की देवी सरस्वती की पूजा के लिए भी विशेष है। आज के दिन हमें श्रुत और आगमों की भी विशेष पूजा आराधना करनी है। ज्ञान पंचमी की आराधना में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर आराधना भवन में आगमों की विशेष साज सज्जा की गई। प्रातःकाल से रात्रि तक हजारों श्रद्धालुओं का ज्ञानपूजा के लिए तांता लगा रहा।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए गुरू का ज्ञान आवश्यक साध्वी विनयश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरु गोविंद दोनों में से गुरु का ही चयन करना चाहिए। क्योंकि गुरु मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु ही है जो प्रभु की पहचान कराता है। यहां साहूकारपेट के जैन भवन में चातुर्मासरत साध्वीश्री विनयश्रीजी म. सा. ने ज्ञान पंचमी पर श्रावको को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे हजारों तारे भी चांद बिना अधूरे हैं, उसी तरह गुरू के बिना हमारा जीवन अपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि ज्ञान की प्राप्ति के लिए स्वस्थ शरीर, निर्मल बुद्धि, विनय, उत्साह, पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है और ज्ञान प्राप्ति के लिए गुरु आज्ञा सर्वोच्च होनी चाहिए।

उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने वाले शिष्यों से आचरण और व्यवहार में पवित्रता और गुरु द्वारा प्रदत ज्ञान को निरंतर पढने और उसमें श्रद्धा रखने का आग्रह किया। प्रवचन के दौरान नवदीक्षिता जिव्याश्रीजी ने अपने संयम जीवन के प्रथम व्याख्यान में उनके जीवन में ज्ञान देने वाले गुरुभगवंतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

साध्वी जिव्याश्रीजी ने अपने संक्षिप्त लेकिन भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि गुरु एक पावर हाउस की तरह होते हैं और वे डाक्टर की तरह जीवन की दिशा और दशा बदलने के लिए जाने जाते हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के महासचिव संजय पिन्चा ने पूरे चातुर्मास काल के दौरान हुई किसी भी गलती के लिए साध्वी मंडल से क्षमा याचना की और चातुर्मास मे बचे कुछ दिनों में संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूचना दी। कोंडीतोप संघ के महासचिव मंगलचन्द्र खारीवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने साध्वी के कोन्डीतोप विचरण की विनती प्रस्तुत की।

एसपी रोड में धूमधाम से मनाया गया कर्नाटक राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दक्षिण भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रोनिक बाजारों में से अग्रणी एसपी रोड के बेंगलूरु इलेक्ट्रोनिक डीलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में टीम युवा शक्ति द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक माते भुवनेश्वरी देवी से राज्य के लोगों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। इसी दौरान 1500 के करीब लोगों को भोजन भी करवाया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, किशोर राजपुरोहित, महामंत्री अरुण लुणावत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, संगठन मंत्री आलोक गंग, युवा शक्ति के प्रमुख नीरज वोरा के साथ कार्यकारिणी और एसोसिएशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कामधेनु महिला व कामधेनु गौशाला परिवार की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, उपाध्यक्ष प्रभा सालेचा, ममता कोठारी, मंत्री राधा गुलेच्छा , सहमंत्री राजवंती, प्रचारमंत्री अरुणा जैन आदि ने यशवंतपुर वर्धमान स्थानकवासी प्रार्थना भवन में उपप्रवर्तनी डा. श्री दर्शनप्रभाजी, डॉ समृद्धिजी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। शारदा चौधरी ने साध्वियों को मूकप्राणियों के लिए नेलमंगला बुद्धिहाल में बनने जा रहे कामधेनु पशु हास्पिटल के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा यशवंतपुर संघ से जीवदया में जुड़ने का आह्वान किया।

श्रुत आराधना करने से घर-परिवार व समाज में क्लेश नहीं होता है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने ज्ञान पंचमी की विशेष आराधना करते हुए 108 प्रकार के जाप के साथ 20 लोगस्स का पारायण ध्यानसहित करवाया। संतश्री ने कहा कि ज्ञान पंचमी महान पर्व है। इस पर्व की महिमा ज्ञानी ही करते हैं। संसार अर्थ में उलझा हुआ है। अर्थ को न्याय नीति से समायोजन करें, साथ में ज्ञान से ही उस अर्थ का संविभाग करना भी सीखना श्रुत ज्ञान का ही फल है। समस्याएँ कृत्रिम और नैसर्गिक दो प्रकार की होती है, कृत्रिम समस्याएँ स्वयं की नासमझ और अज्ञानता से निर्मित होती है जबकि नैसर्गिक समस्या क्षणिक समय के लिए होती है या समय उस समस्या का समाधान कर देता है। श्रुत आराधना करना, आज का दिन सन्देश है। प्रभु महावीर ने अपनी अन्तिम देशना में कहा है कि श्रुत आराधना करने से जीव के घर में-परिवार में समाज में क्लेश नहीं होता है। श्रुत आराधक समस्या नहीं बनता है, समाधान करता है। सुनने और सुनाने वाला ज्ञान श्रुत ज्ञान ही होता है। जिनवाणी की सारी धर्म कथाए इसी श्रुतज्ञान की ही महिमा बढ़ाती है। जो ज्ञान और ज्ञानियों का सम्मान-भक्ति-सेवा आराधना करते हैं'वे शीघ्र ही शांति-सुख और आत्मिक वे भव ऐश्वर्य की प्राप्ति करते ही है।

हमें आसातना से बचना चाहिए ज्ञान पंचमी पर्व का शुभ मंगल सन्देश है कि ज्ञान से दुखी जीवों को सान्त्वना दें, गुणवानों का गुणगान अवश्य करें। संघ प्रवक्ता प्रसन्न मांडोत ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत में धन्यवाद देते हुए बताया कि 7 नवंबर को तपस्वी गुरु गणेश का 145वां जन्म कल्याणक एकासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में गुरु गणेश का गुणगान किया जाएगा। आयोजकों ने सभी गुरु भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

ज्ञानपंचमी पर हुए अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबतूर। यहां के आरएस पुरम स्थित कोयंबतूर जैन श्वेतांबर खरतर गच्छ संघ द्वारा संचालित मुनिसुव्रत मंदिर और दादावाड़ी में बुधवार ज्ञान पंचमी के अब साध्वीजी प्रिय सोमांजना श्रीजी के सानिध्य में विभिन्न अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया, सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने विभिन्न कार्यक्रम और लाभार्थियों की जानकारी दी। साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि ज्ञान पंचमी जैन धर्म से संबंधित है। यह सभी के लिए अत्यंत पूजनीय और महत्वपूर्ण दिन है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को 'ज्ञान पंचमी' का त्योहार मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार भगवान महावीर को शास्त्रों के रूप में पहली बार दर्शन इसी समय हुए थे। तब तक ज्ञान का प्रसार श्रुति परंपरा के अनुसार ही होता था। इस परंपरा के अनुसार भगवान महावीर ने केवल अपने प्रमुख शिष्यों को ही उपदेश दिया था। ये शिष्य ध्यानपूर्वक सुनते थे और फिर सारा ज्ञान आत्मसात कर लेते थे। फिर वे इस ज्ञान को लोगों तक पहुंचाते थे और सभी को समझाते थे।

इस कार्यक्रम में देवी सरस्वती की आरती का लाभ लिया सुंदर बाई विजयचन्द वैद परिवार ने लिया। महिला परिषद के अहम योगदान रहा। संघ के ट्रस्टी, महिला परिषद के अध्यक्ष विनय वनती रांका, सचिव विनिता लूनिया, पूर्व अध्यक्ष शकुंतला गोलेछा, शिल्पा नाहटा और अन्य गणमान्य की उपस्थिति में ज्ञान पंचमी की विभिन्न विधाओं और पूजन हुआ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.